

अंतरराष्ट्रीय मंच पर एम्स पटना की एक और उपलब्धि, डॉ. पंकज कुमार ने स्विट्जरलैंड में प्रतिष्ठित फेलोशिप सफलतापूर्वक की पूर्ण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। एम्स पटना के परमाणु चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार ने स्विट्जरलैंड के प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ज्यूरिख में आयोजित चार सप्ताह की हाइब्रिड ढएब्/उळ इमेजिंग फेलोशिप सफलतापूर्वक पूर्ण की है। यह प्रशिक्षण 18 मई से 12 जून 2026 तक आयोजित किया गया। यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ज्यूरिख को आणविक इमेजिंग, न्यूक्लियर मेडिसिन और प्रिंसिजन मेडिसिन के क्षेत्र में यूरोप के अग्रणी संस्थानों में गिना जाता है।

फेलोशिप के दौरान डॉ. कुमार को अत्याधुनिक ढएब्/उळ तथा ढएब्/टफइमेजिंग तकनीकों, उन्नत कैसर निदान, आणविक इमेजिंग और नवीनतम रेडियोट्रेसर आधारित जांचों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान, केस आधारित चर्चाएँ तथा

क्लिनिकल रिपोर्टिंग सत्र शामिल थे।

प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने 225 से अधिक ढएब्/उळ जांचों का अध्ययन एवं विश्लेषण किया। इनमें कैसर रोगियों में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली ऋद्ध ढएब्/उळ जांचों के साथ-साथ प्रोस्टेट कैसर, न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर, पार्किन्सन रोग एवं इंसुलिनोमा तथा पैराथायराइड एंडोनेोमा जैसे विशेष रेडियोट्रेसर्स से संबंधित उन्नत परीक्षण भी शामिल थे।

फेलोशिप के अंतर्गत डॉ. कुमार को न्यूरो-इमेजिंग के क्षेत्र में भी प्रशिक्षण प्राप्त हुआ जिसमें एफडीजी, एफईटी और एमल्गंड पीईटी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। एमल्गंड पीईटी विशेष रूप से अल्जाइमर रोग और अन्य न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के शुरुआती निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त उन्हे पीईटी/एमआर तकनीक से संबंधित जांचों का भी अनुभव प्राप्त



हुआ जो आज प्रिंसिजन मेडिसिन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है।

यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ज्यूरिख ने डॉ. पंकज कुमार की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता, सक्रिय सहभागिता और पेशेवर दक्षता की सराहना करते हुए उन्हें फेलोशिप पूर्ण करने का प्रमाणपत्र प्रदान किया।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एम्स पटना के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ.

राजू अग्रवाल ने डॉ. पंकज कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान की विशेषज्ञता को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करते हैं और रोगियों को बेहतर, सटीक तथा आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस फेलोशिप से अर्जित ज्ञान और अनुभव का लाभ बिहार तथा पूर्वी भारत के मरीजों को उन्नत कैसर

केंद्रीय कृषि सह किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया पीएमसीएच का दौरा अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का लिया जायजा

बदलते बिहार और बदलते भारत का दृश्य प्रस्तुत कर रहा है पीएमसीएच : केंद्रीय कृषि मंत्री

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बुधवार को माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री सह किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटना मेडिकल कॉलेज, अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में नवनिर्मित वार्डों का भ्रमण किया तथा डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं, बेहतर चिकित्सा व्यवस्था तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, पटना साहिब विधायक रत्नेश कुशवाहा, कुम्हार विधायक श्री प्रेम गुप्ता तथा कुमार गौरव,



अपर कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति एवं अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे। मौके पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा कृषि मंत्री को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा फरवरी 2021 में पीएमसीएच में 5462 बेड के नये अस्पताल का शिलान्यास किया गया था। साथ ही उन्होंने वर्ष 2025 में पीएमसीएच में 1100 से ज्यादा बेड का लोकार्पण भी किया था। इस परियोजना के शेष बचे

काम को पूरा करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बिहार में सुदृढ़ हो रही चिकित्सा व्यवस्था का एक उदाहरण पटना मेडिकल कॉलेज, अस्पताल (पीएमसीएच) है। पीएमसीएच यहां का बहुत पुराना अस्पताल है, लेकिन अब ये दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल बनने वाला है। इसे 5462 बेड का अस्पताल बनाया जा रहा है, जिनमें कई ब्लॉक बन गये हैं

निदान, थेरेनोस्टिक्स, आणविक इमेजिंग और न्यूरोइमेजिंग सेवाओं के रूप में मिलेगा।

डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण के दौरान उन्हें विश्वस्तरीय तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ कार्य करने का अवसर मिला, जिससे आधुनिक न्यूक्लियर मेडिसिन की नवीनतम प्रगति को समझने और अपनाने में सहायता मिली। उन्होंने बताया कि इस अनुभव का उपयोग एम्स पटना में रोगी सेवाओं, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों को और सशक्त बनाने में किया जाएगा।

एम्स पटना निरंतर अपने संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक सहयोग के अवसर उपलब्ध करा रहा है जिससे संस्थान में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल की गुणवत्ता को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित किया जा सके।

और उन्हें शुरू भी कर दिया गया है, जबकि बाकी का निर्माण कार्य अभी चल रहा है। इसकी विशेषता ये है कि अस्पताल बंद भी ना हो और मरीजों का इलाज भी चलता रहे। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे पुराने भवन को तोड़कर नये भवन बनाये जा रहे हैं। अभी 1100 से ज्यादा बेड शिफ्ट हो चुके हैं।

कृषि मंत्री ने कहा कि एक जामाना था जब इलाज के लिए लोग तरसते थे। पीएमसीएच बनने के बाद बिहार को जो सुविधा मिलेगी वो अदृष्टत होगी। यहां एम्स भी बन गया है साथ ही जिला चिकित्सालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से बदल रहा है इसका एक उदाहरण पीएमसीएच अस्पताल है। पीएमसीएच बदलते बिहार और बदलते भारत का एक दृश्य प्रस्तुत करता है।

नेशनल एबैकस चैंपियन समरथ सिन्हा का हुआ भव्य सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना स्थित जेएसटी स्मार्ट स्किल्स एकेडमी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करना था जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय, समाज तथा राज्य का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। समारोह का मुख्य आकर्षण रहे छात्र समरथ सिन्हा, जिन्होंने जयपुर में आयोजित नेशनल एबैकस चैंपियनशिप 2026 में प्रथम रैंक प्राप्त कर बिहार का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस असाधारण उपलब्धि के लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समरथ की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि बिहार के बच्चे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने में पूरी तरह सक्षम हैं। एबैकस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। समरथ की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत

बनी हुई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं सेंट मैरी अकादमी के प्राचार्य ने समरथ सिन्हा को सम्मानित करते हुए कहा कि हूआज के नन्हें विद्यार्थी ही कल के राष्ट्र निर्माता हैं। यदि उन्हें सही दिशा, प्रोत्साहन और अवसर मिले तो वे देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने समरथ की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे छात्र न केवल अपने परिवार और विद्यालय का, बल्कि पूरे राज्य का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने और अपने सपनों को साकार करने का संदेश दिया। इस अवसर पर समरथ सिन्हा के पिता धीरज कुमार, माता प्रीति सिन्हा तथा दादा शशि भूषण प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समरथ की सफलता के पीछे अनुशासन, नियमित अभ्यास और विद्यालय के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। परिवार के सदस्यों ने विद्यालय द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और आत्मविश्वास विकसित करने का भी आधार है। समारोह में

केवल समरथ सिन्हा ही नहीं, बल्कि कई अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में अमृतांशु, निपुण, आरव राज सिन्हा, प्रियांशी, मानस्वी सिंह राजपूत, आरध्या कश्यप और काव्या गौरव प्रमुख रहे। विद्यालय प्रबंधन ने इन छात्रों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 केवल एक सम्मान कार्यक्रम नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और उत्कृष्टता की भावना विकसित करने का एक प्रेरणादायी प्रयास भी था।

ऐसे आयोजन छात्रों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। समारोह के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी सम्मानित छात्रों, उनके अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि प्रतिभा को पहचान और प्रोत्साहन मिले तो बच्चे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं।

नगर निगम के सहयोग शिविर का दिखा सकारात्मक असर, चार वार्डों के 15 दिनों में 112 शिकायतें प्राप्त, 94 मामलों का हुआ निष्पादन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से गया नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या 1 से 4 तक आयोजित 15 दिवसीय सहयोग शिविर का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। चार वार्डों में लगे शिविर के दौरान विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 112 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 94 मामलों का निष्पादन कर लोगों को राहत प्रदान की गई। वहीं शेष 18 आवेदन, जो आज के ही तारीख में प्राप्त हुए हैं, उन्हें समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित शाखाओं को अग्रसारित कर दिया गया है।

नगर निगम के नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने बताया कि नगर निगम के चार वार्डों में 15 दिनों तक आयोजित सहयोग शिविर में वार्ड संख्या-1 में सबसे अधिक 43 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 39 मामलों का निष्पादन कर दिया गया है, जबकि शेष 4 मामलों पर कार्यवाई जारी है। वार्ड संख्या-2 में कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 9 का समाधान कर दिया गया है और 2 मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा।

इसी प्रकार वार्ड संख्या-3 में 22 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 15 का निष्पादन किया जा चुका है। शेष 7 आवेदनों पर भी कार्यवाई की प्रक्रिया जारी है। वहीं वार्ड

संख्या-4 में कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 31 मामलों का समाधान कर दिया गया है, जबकि 5 आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया चल रही है। सहयोग शिविर का उद्देश्य नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सुगम और प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराना है। शिविर के माध्यम से विभिन्न जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि आम लोगों को त्वरित राहत मिल सके। आगे बता दें कि नगर निगम का यह प्रयास नागरिकों के बीच सराहना का विषय बना हुआ है और लोगों ने इस पहल को जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

डाबर पुदीन हरा का वंडर हर्ब अभियान शुरू पुदीना के औषधीय गुणों को किया प्रतिष्ठित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 17 जून 2026: आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के लाभों को बढ़ावा देने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी-बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक विशेष अभियान वंडर हर्ब शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ आज पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर आयुर्वेद फिजिशियन डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने पुदीना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स युक्त होता है जो मानव पेट के लिए खासकर तेज गर्मी के दौरान चमत्कार कर सकते हैं, गर्म-लहरों और बढ़ते पारा के स्तर की त्वरित आवृत्ति के साथ, गर्मियों के मौसम के दौरान स्तब्ध समस्याएं आम हो गई हैं। इस तीव्र



मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए, डाबर उन लोगों को पुदीना के उपयोग की सलाह देते हैं जो दिन में लंबे समय तक धूप में रहते हैं और आम गर्मी की बीमारियों के शिकार होते हैं। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर-मार्केटिंग श्रीराम पद्मानाभन ने कहा, जीवन शैली में विकसित रुझानों और उपभोक्ताओं के काम का पैटर्न देखते पर पता चलता है कि आज सभी बहु-मुखी कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें प्रभावी और प्राकृतिक समाधान की आवश्यकता होती है। डाबर, सबसे भरोसेमंद हेल्थकेयर कंपनी के

रूप में, दैनिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए पारंपरिक आयुर्वेद को उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य को मजबूत करता है और पुदीन हरा कई गैस्ट्रिक विकारों के लिए एक निश्चित समाधान है। गर्मियों के मौसम के दौरान प्रचलित कई बीमारियों को ध्यान में रखते हुए, पुदीन हरा बदहजमी, गैस और एसिडिटी जैसे पेट की समस्याओं के समाधान में मदद करता है। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के हेड-कारपोरेट कन्सुमिकेशंस ब्यास आनंद ने कहा कि यह अभियान पुदीना के आयुर्वेदिक महत्व और उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने आगे कहा, आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आधुनिक समय की बीमारियों का सबसे अच्छा प्रबंधन गहराई से छिपा हुआ है। पुदीना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 3,000 साल पुरानी है और इसे वंडर हर्ब के रूप में नामित किया गया है।

ब्राजील में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विश्व कांग्रेस में डॉ. रोहिणी झा का विशेषज्ञ व्याख्यान हुआ

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहिणी झा ने ब्राजील में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विश्व कांग्रेस में विशेषज्ञ व्याख्यान देकर विश्वविद्यालय एवं बिहार का गौरव बढ़ाया है। ब्राजील के मिनस जेरैइस में 15 से 29 जून तक आयोजित विश्व कांग्रेस ह्यून्ग एनवारनमेंटल स्टैंडर्ड्स, इंटरनेशनल क्लाइमेट लिटिगेशन एंड एनवारनमेंटल पॉलिसी फॉर सिस्क्वोरिटी एंड बायोडावर्सिटीह्व में उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से अपनी



प्रस्तुति दी। डॉ. झा ने पर्यावरणीय मानविकी एवं पारिस्थितिकी आलोचना (इकोक्रिटिसिज्म) विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संकट केवल वैज्ञानिक अथवा नीतिगत चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक एवं मानवीय

सरोकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन का वसुधैव कुटुम्बकमह्व सिद्धांत वैश्विक पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

अपने व्याख्यान में उन्होंने बिहार की भौगोलिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मखाना जैसे पारंपरिक कृषि उत्पादों के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव पड़ रहा है। वहीं कोसी, बागमती, कमला बलान एवं गंडक जैसी नदियों के कारण उत्पन्न होने वाली बाढ़ से राज्य में व्यापक स्तर पर दुष्प्रभाव देखने को मिलते हैं। डॉ. झा ने

खुसरपुर फायरिंग कांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, हथियार व कारतूस बरामद

खुसरपुर। थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव में 4 जून 2026 को एक गिट्टी-बालू कारोबारी के घर में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने मुख्य अभियुक्त सुजैन को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था।

भवन निर्माण विभाग

कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या- 01, पटना का कार्यालय
अत्यकालीन निविदा आमंत्रण सूचना, संख्या- 22 वर्ष 2026-27

- विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या- 01, पटना।
- परिमाण-विषय बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 27.06.2026 को 1200 बजे अपराह्न तक।
- निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 27.06.2026 को 0300 बजे अपराह्न तक।
- निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 27.06.2026 को 0330 बजे अपराह्न।
- परिमाण विषय बिक्री का स्थान : (क) अंचल कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, पटना।
(ख) प्रमंडल कार्यालय, केन्द्रीय भवन प्रमंडल संख्या- 01, पटना।
(ग) संबंधित अवर प्रमंडल कार्यालय।
क्रमांक (5) के वर्गीत स्थान (क) एवं (ख) पर।
- निविदा प्राप्ति का स्थान :
- कार्य का विवरणी :-

क्र०	कार्य का नाम	प्राकक्षित राशि (लाख रूप में)	अग्रपन राशि (रु० में)	परिमाण विषय का मू० (खरब/पैसेवी)	कार्य सम्पत्ति की अवधि
1.	Renovation of Cabin in Front of Minister Chamber of Minorities Welfare and Development Deptt. in Extended Building Block- 04 Under Irrigation Section, Patna for the year 2026-27.	2.37	4,800=00	500=00	01 माह
2.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Tiles Work in Common Bathroom (Ladies) at Extended Building Block- 04 Under Irrigation Section, Patna for the year 2026-27. (First Floor)	2.85	5,700=00	750=00	01 माह
3.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Tiles Work in Common Bathroom (Gents) at Extended Building Block- 04 Under Irrigation Section, Patna for the year 2026-27. (First Floor)	4.28	8,600=00	750=00	01 माह

कार्यपालक अभियंता

PR- 005961 (BCD) 2026-27

केन्द्रीय भवन प्रमण्डल संख्या-01,पटना

विस्तृत सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार

BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT					
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, CENTRAL BUILDING DIVISION No.-01, PATNA					
SHORT TIME QUOTATION INVITATION NO.- 47 YEAR 2026-27					
(For Special Condition, Description and Quantity are available in Website :- State.bihar.gov.in/prdbihar)					
Quotation Invited From Registered Contractors/Reputed Firms/Companies for the Following Works on Dated 27.06.2026 at 1:00 PM in Sealed Envelope. The Place of Submitting Quotation Will be Office at Undersigned, Office of Superintending Engineer, S.B.C., B.C.D., Patna. Received Quotation will be Opened on Same Day at 3:00 PM in front of Quotationer or Their Representatives.					
Price of Quotation (in Rs.) With Quotation Letter Form of Quotation Paper Through ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING SYSTEM (O-GRAS) in the Designation (Name of Executive Engineer, Central Building Division No.- 01, Patna) Deposit Mandatory, Which After The Date of Publication of Quotation. Computerized O-Grass Receipt, Which is Before the Date of Quotation should be, is not Entertained. For Rs. 0 to 50,000 – Rs. 250, For Rs. 50,001 to 2,50,000 – Rs. 500, For Rs. 2,50,001 to 5,00,000 – Rs. 750, For Rs. 5,00,001 to 10,00,000 – Rs. 1,250, For Rs. 10,00,001 to 15,00,000 –Rs. 2,500					
Details of Works :-					
Sl No.	Name of Work/Specification	Qnt.	Unit	Time of Completion of Work	Quoted Rate (in Number and Word)
01.	Supply & Installation of Roller Blinds at 7 th Floor (East Side) North Part Vishweshwaraiya Bhawan , Patna for the year 2026-27.			01 Months	
02.	Supply & Installation of Roller Blinds at 7 th Floor (East Side) South Part Vishweshwaraiya Bhawan, Patna for the year 2026-27.			01 Months	
03.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Tiles Work in Gents Common Bathroom S- 09 at Vikash Bhawan, Patna for the year 2026-27. (PH Work)			01 Months	
05.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Tiles Work in Gents Common Bathroom F- 09 at Vikash Bhawan, Patna for the year 2026-27. (PH Work)			01 Months	
06.	Renovation of Sanitary Installation, Water Supply and Tiles Work in Gents Common Bathroom T- 09 at Vikash Bhawan, Patna for the year 2026-27. (PH Work)			01 Months	
Executive Engineer Central Building Division No.- 01, Patna For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar					
नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार					

बिहार सरकार					
भवन निर्माण विभाग					
कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना का कार्यालय अतिअत्यकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०-19 वर्ष 2026-27					
1.	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:	कार्यपालक अभियंता, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना।		
2.	परिमाण-विषय बिकी की तिथि एवं समय	:	दिनांक-27.06.2026 को 12.00 बजे अपराह्न एक।		
3.	निविदा प्राप्ति कि तिथि एवं समय	:	दिनांक-30.06.2026 को 3:00 बजे अपराह्न तक।		
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक-30.06.2026 को 3:30 बजे अपराह्न से।		
5.	परिमाण विषय बिकी का स्थान	:	(क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, दक्षिण बिहार अंचल, भागलपुर। पटना। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना। (ग) संबंधित भवन अवर प्रमंडल का कार्यालय, पटना।		
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान कार्य का विवरणी	:	क्रमांक (6) पर वर्णित स्थान पर।		
क्रम सं.	कार्य का नाम	प्राकक्षित राशि	अग्रपन राशि	परिमाण विषय का मू० (खोरात)	कार्य सम्पत्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Day to Day Leak Repair G.I./C.I Pipe line in Different dia under Road No.-1, 2, 3, 4, 5 and Main Road, R-Block Patna for the year 2026-27.	5,00,000.00	10000.00	750.00	Up to March 2027
2	Day to Day Leak Repair G.I./C.I Pipe line in Different dia under N.F.T, S.F.T and MLA flat at R-Block Patna for the year 2026-27.	5,00,000.00	10000.00	750.00	Up to March 2027
3	Day to Day PH work of Qtr. No.-C/54 to C/79 at 79 MOS Punachik, Patna for the year 2026-27.	4,00,000.00	8000.00	750.00	Up to March 2027
4	Day to Day Civil work Under Section at South Bailey Road, Patna for the year 2026-27.	4,99,903.00	10000.00	750.00	Up to March 2027
5	Day to Day Civil work in Vriyaywas B.C Patel Path, Patna for the year 2026-27.	3,00,000.00	6000.00	750.00	Up to March 2027
6	Day to Day PH work in Vriyaywas at B.C Patel Path, Patna for the year 2026-27.	3,00,000.00	6000.00	750.00	Up to March 2027
7	S/R to PH work in flat No.-20/6 at Nehru Path, Patna for the year 2026-27.	4,00,000.00	8000.00	750.00	15 Days
कार्यपालक अभियंता पाटलिपुत्र भवन प्रमंडल, पटना।					
वितरृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।					
PR. No. 005881 (BCD) 2026-27					
नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।					

संक्षिप्त खबरें

जिले के 18 प्रखंडों में सहयोग-सह-जन कल्याणशिविर काहुआ सफल आयोजन

दरभंगा। दरभंगा सदर प्रखंड अंतर्गत सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का आयोजन +2 जनता उच्च विद्यालय, जीवछ घाट में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। शिविर में कुल 17 विभागों की सक्रिय सहभागिता रही, जिनमें सामाजिक सुश्रुता पेंशन, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आपूर्ति विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग (अंचल), मनरेगा, कृषि विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सार्वकारिता विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, विद्युत विभाग, जीविका, पीएचडी विभाग तथा पंचायती राज विभाग शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का त्वरित निष्पादन किया गया तथा लाभार्थियों को योजनाओं से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख के कर-कमलों द्वारा श्रमिकों (संजय सहनी, रूना देवी, मीणा देवी, भरन सहनी) के बीच लेबर कार्ड का वितरण भी किया गया,जिससे लाभुकों में विशेष उत्साह देखा गया। शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी, दरभंगा सदर, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, जीविका तथा जीविका प्रखंड परियोजना क्रियान्वयन इकाई दरभंगा सदर के कमियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जीविका की ओर से क्षेत्रीय समन्वयक अनुपम कुमारी, लेखापाल रामलखन साह, सामुदायिक समन्वयक गणेश कुमार एवं रश्मि प्रियदर्शिनी, तथा कार्यालय सहायक पुरुषोत्तम कुमार उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने ऐसे शिविरों को सुशासन, जनसेवा तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं जनहितकारी पहल बताया।

साप्ताहिक यज्ञोपवीत संस्कार से पूर्व बटुकों का बसकट्टी व गरवा कार्यक्रम वैदिक परंपरा के साथ संपन्न

दरभंगा। लहेरियासराय के बलभद्रपुर स्थित पचाढ़ी स्थान में आगामी 19 जून को आयोजित होने वाले साप्ताहिक यज्ञोपवीत संस्कार की तैयारियों के क्रम में आज सभी बटुकों का बसकट्टी एवं गरवा कार्यक्रम धार्मिक रीति-रिवाजों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन पचाढ़ी महंथ श्री रामउदित दास मौनी बाबा के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बटुक, उनके अभिभावक, श्रद्धालु एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वैदिक परंपरा के अनुसार यज्ञोपवीत संस्कार से पूर्व आयोजित होने वाले बसकट्टी एवं गरवा कार्यक्रम में बटुकों के जीवन में अनुशासन, संस्कार, अध्ययन तथा आध्यात्मिक चेतना के प्रवेश का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वैदिक आचार्यों द्वारा विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन कर बटुकों को सनातन परंपराओं के महत्त्व एवं यज्ञोपवीत संस्कार की गरिमा से अवगत कराया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस आयोजन को भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संचालक श्री रामउदित दास मौनी बाबा ने बताया कि 19 जून को आयोजित होने वाले साप्ताहिक यज्ञोपवीत संस्कार में बड़ी संख्या में बटुक भाग लेंगे तथा पूरे क्षेत्र से श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी। उन्होंने कहा कि इस पारम्पर अवसर पर मिथिला एवं बिहार के अनेक संत, महात्मा एवं महामंडलेश्वर की गरिमाययी उपस्थिति रहेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बिहार सरकार के मध्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री जी मदन सहनी, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद, दरभंगा सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, राज्यसभा सांसद डॉ. धर्मशिला गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री हरि संकर, सहित विभिन्न विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं तथा आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। उपस्थित लोगों ने आयोजन की सफलता हेतु शुभकामनाएँ व्यक्त करते हुए इसे नई पीढ़ी को संस्कार, संस्कृति एवं भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने वाला प्रेरणादायी आयोजन बताया।

डीएम ने सीएम कॉलेज से कोतवाली थाना तक शेष सड़क ढलाई दो दिनों में करने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। मुहर्रम को ध्यान में रखते हुए जुलूस मार्ग को सुगम एवं बाधा रहित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कौशल कुमार द्वारा सीएम आर्ट कॉलेज, दरभंगा से कोतवाली थाना तक चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। उक्त मार्ग पर पूर्व में सड़क ढलाई का कार्य कराया जा चुका है,जबकि शेष कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियान्त आरसीडी को दो दिनों के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि मुहर्रम पर्व के अवसर पर निकलने वाले जुलूस में शामिल स्थानीय नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए जुलूस मार्ग



को प्राथमिकता के आधार पर दो दिनों के अंदर पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया।निरीक्षण के क्रम में कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि शेष सड़क ढलाई कार्य आगामी दो दिनों के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने

कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने राम जानकी मंदिर रोड का भी निरीक्षण किया,जहां पूर्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों

मुंबई में कार्य के दौरान हादसे में दुखी पासवान की मौत से शोक की लहर, भाजपा नेता ने दी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर (दरभंगा)। अलीनगर विधानसभा क्षेत्र के मोतीपुर ग्राम निवासी स्वर्गीय योगेश्वर पासवान के 40 वर्षीय पुत्र दुखी पासवान की मुंबई में एक निर्माण कंपनी में कार्य करने के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में मृत्यु हो गई। बताया जाता है कि काम के दौरान वे लिफ्ट से गिर गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बुधवार को जैसे ही दुखी पासवान का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मोतीपुर पहुंचा, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा गांव का माहौल गमगीन हो गया।घटना की सूचना मिलने पर भाजपा दरभंगा पूर्वी के जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह मोतीपुर पहुंचकर दिवंगत के पार्थिव शरीर का अंतिम

को निर्देश दिया कि वर्तमान स्थिति में तत्काल सड़क को मोटरबल बनाया जाए, ताकि स्थानीय नागरिकों एवं आवागमन करने वालों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।जिलाधिकारी ने कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान आमजनों की सुविधा, यातायात की सुचारु व्यवस्था तथा सुरक्षित आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। निरीक्षण के दौरान नगर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार,नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही मुहर्रम कमिटी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

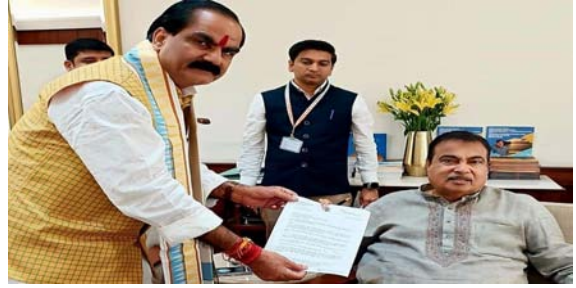


दर्शन किया तथा शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने घटना की विस्तृत जानकारी भी ली। श्री सिंह ने कहा कि यह घटना अत्यंत ही दुःखद और हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि दुखी पासवान अपने परिवार के पालन-पोषण से पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

रोसड़ा रामनगर सड़क परियोजनाओं से बहेड़ी लिंक रोड को जोड़ने के लिए हो रही ठोस पहल : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दरभंगा के रामनगर आईटीआई से रोसड़ा समस्तीपुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग 527 ई के प्रस्तावित टू लोन ग्रीनफील्ड एलाईमेंट में बहेड़ी ब्लॉक से लिंक रोड जोड़ने के लिए गंभीरता से पहल की जा रही है जिसका सार्थक परिणाम शीघ्र ही सामने आएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा वित्तीय वर्ष 2026- 27 में इस सड़क परियोजना में बहेड़ी लिंक से जोड़ने की योजना को अनुमोदन के लिए प्रस्तावित किया गया है तथा शीघ्र ही इसकी स्वीकृति मिल जाएगी। सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने इस संबंध में केंद्रीय सड़क पथ परिवहन मंत्री निहितन गडकरी के द्वारा इस संबंध में भेजे गए पत्र के आलोक में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया है कि उन्होंने इस सड़क परियोजना में



बहेड़ी लिंक रोड के लिए केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी से दिल्ली में भेंटकर पत्र 40 किलोमीटर में 495.16 करोड़ की किया था जिसके जवाब में केंद्रीय मंत्री के द्वारा पत्रांक 17838 दिनांक 11 जून 2026 के हवाले से बताया गया है कि इसके प्रस्ताव को अनुमोदन के प्रस्तावित किया गया है तथा शीघ्र ही अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाएगा। सांसद डा ठाकुर ने इस प्रस्तावित टू

लेन ग्रीनफील्ड सड़क की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा है कि लगभग 24 किलोमीटर में 495.16 करोड़ की लागत से बनने वाले इस सड़क निर्माण से समस्तीपुर और दरभंगा के बीच आवागमन में काफी सुधार होगा तथा रोसरा समस्तीपुर और दरभंगा के बीच की कनेक्टिविटी बेहतर होगी जिससे यात्रियों को समय भी बचेगा और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

24 साल बाद आया फैसला: दहेज प्रताड़ना व दूसरी शादी के आरोप में तीन आरोपी बरी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दहेज प्रताड़ना, पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने और घर से निकाल देने के आरोप में दर्ज 24 साल पुराने मामले में अदालत ने तीन आरोपियों को सक्षय के अभाव में बरी कर दिया। यह फैसला सिविल कोर्ट दरभंगा के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी सत्यम की अदालत ने बुधवार को सुनाया। मामला सदर थाना कांड संख्या 140/02 से जुड़ा है। 13 जून 2002 को अमडीहा गांव निवासी राम जेवर देवी उर्फ बकून्री देवी ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, घर से निकाल देने और पति द्वारा दूसरी शादी करने का आरोप लगाते हुए प्रारंथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के बाद 31 अक्टूबर 2002 को पांच आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। इनमें केवटी थाना क्षेत्र के गोखुल गांव निवासी कारी मंडल, रामदाई देवी, ममता देवी, अनारो देवी और भोला मंडल शामिल थे। सुनवाई के दौरान अनारो देवी और भोला मंडल की मौत हो गई, जिसके बाद न्यायालय ने उनका नाम वाद अभिलेख से हटा दिया। अभियोजन पक्ष की ओर से एपीओ रिचा चौधरी ने पैरवी की। अदालत में उपन्याय सक्ष्यों और गवाहों के बयानों की समीक्षा के बाद न्यायालय ने शेरा तीन आरोपियों कारी मंडल, रामदाई देवी और ममता देवी को आरोप सिद्ध नहीं होने के कारण बरी कर दिया। फैसले के बाद आरोपियों ने राहत जताई। रामपुरी देवी ने कहा कि शिकायतकर्ता स्वयं घर छोड़कर चली गई थी और उन्हें झूठे मुकदमे में फंसा दिया गया था। उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अदालत से न्याय मिला है।

कुशेश्वरस्थान में रेल सेवा बहाल करने की मांग को लेकर विशाल महापंचायत आयोजित

कुशेश्वरस्थान दरभंगा। सकरी,हसनपुर रेल परियोजना के तहत कुशेश्वरस्थान में रेल सेवा बहाल करने की मांग को लेकर बुधवार को वैष्णवी दुर्गा मंदिर परिसर में एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत कुमार के नेतृत्व तथा ललितेश्वर पासवान की अध्यक्षता में आयोजित इस महापंचायत में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। महापंचायत में वक्ताओं ने कहा कि सकरीझहसनपुर रेल परियोजना क्षेत्र के विकास की रीढ़ साबित हो सकती है, लेकिन पिछले कई दशकों से यह परियोजना अधूरी पड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1996 के बाद सकरी से कुशेश्वरस्थान तक रेल लाइन के लिए मिट्टीकरण का कार्य लागभग पूरा कर लिया गया था। साथ ही सकरी से हरिनगर तक रेल परिचालन भी शुरू हो चुका है, लेकिन हरिनगर से कुशेश्वरस्थान के बीच लागभग पांच किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण तथाकथित पक्षी विहार का हवाला देकर

अब तक पूरा नहीं किया गया है। वक्ताओं ने कहा कि कुशेश्वरस्थान से खमाड़िया तक भी परियोजना के अंतर्गत कई स्थानों पर मिट्टीकरण एवं रेलवे पुलों का निर्माण कराया जा चुका है। इसके बावजूद परियोजना को अंतिम रूप नहीं दिया जा रहा है, जिससे दरभंगा, कुशेश्वरस्थान, बिरौल, बेनौपुर तथा आसपास के क्षेत्रों के लाखों लोग रेल सुविधा से वंचित हैं। महापंचायत को संबोधित करते हुए बक् पासवान, केवटगामा पंचायत के मुखिया छेदी राय, सरपंच बनन दास, व्यवसायी संच अध्यक्ष दिलीप सोनी, जयद्यू नेता गौरव राय, चंद्रशेखर साह, लोजपा नेता रमेश पासवान, प्रो शशिनाथ प्रसाद ,मुख्य पाषंद सत्रुज पासवान सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि जिस पक्षी विहार का हवाला देकर रेल परियोजना को रोक़ा गया, वहां वर्तमान समय में पक्षियों का कोई स्थान बचपास नहीं है। ऐसे में पूर्व बहाल रेल मार्ग को बदलने अथवा नई योजना बनाने का प्रयास जनता के धन और समय दोनों को बर्बाद है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि पक्षी विहार के नाम

पर वर्षों से रेल परियोजना को लंबित रखा गया है, जिससे क्षेत्र के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि रेल संपर्क नहीं होने के कारण लोगों को आज भी सड़क मार्ग पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों की अतिरिक्त बर्बादी होती है। महापंचायत में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर निर्णय लिया गया कि यदि शीघ्र ही पूर्व निर्धारित रेल परियोजना को संबोधित करते हुए बक् पासवान, केवटगामा पंचायत के मुखिया छेदी राय, सरपंच बनन दास, व्यवसायी संच अध्यक्ष दिलीप सोनी, जयद्यू नेता उपस्थित लोगों ने कहा कि क्षेत्र की जनता अब और अधिक इंतजार करने को तैयार नहीं है तथा रेल सेवा बहाली के लिए लोकातांत्रिक और कानूनी दोनों स्तरों पर संघर्ष जारी रखा जाएगा। इस अवसर पर राजेश चौलान, बैजनाथ पासवान, संतोष कोषाढ़ा, मो. मंसूर, कल्याेश्वर पासवान, बाढ़ पाषंद तारणी पासवान, सोनू पासवान, पंकज चौधरी, रामशंकर पोद्दार सहित सैकड़ों ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कमला नदी में स्नान के दौरान लापता किशोर का शव 24 घंटे बाद बरामद, परिजनों में मातम

मधुबनी।जयनगर मतवास की समाप्ति के अवसर पर कमला नदी में स्नान करने गए एक किशोर का शव करीब 24 घंटे बाद बुधवार को बरामद किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार मंगलवार को कलुआही थाना क्षेत्र के नरार गांव से दर्जनो श्रद्धालु कमला नदी में स्नान करने जयनगर पहुंचे थे। इसी दौरान नरार छाटा टोल निवासी रामप्रोत यादव के 15 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। किशोर के नदी में डूबने की आशंका से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना की सूचना मिलते ही जयनगर थाना अध्यक्ष अमित कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं अंचलाधिकारी अखिलेश चौधरी ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा स्थानीय ग्रामीणों गोताखोर रों के सहयोग से खोज अभियान शुरू कराया। प्रशासन द्वारा एनडीआरएफ टीम को बुलाया गया, जिसके जवान लगातार नदी में गोताखोरी कर किशोर की तलाश में जुटे रहे। खोज अभियान के बावजूद मंगलवार को किशोर का कोई सुराग देर शाम तक नहीं मिल सका। इसके बाद बुधवार को निर्माांयन कमला बराज के समीप नदी में एक शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस एवं स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकाला गया। पहचान होने पर शव कृष्ण कुमार का पाया गया।शव मिलने की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रशासन ने लोगों से नदी में स्नान के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं इस दर्दनाक घटना से नरार गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

पिकअप की ठोकर से क्षतिग्रस्त बिजली पोल के विरुद्ध विमााठ ने किया मामला दर्ज

मनौगाछी (दरभंगा)। अनियंत्रित पिक अप की ठोकर से क्षतिग्रस्त हुए बिजली पोल के विरुद्ध जे ई अजित कुमार ने नेहरा थाना में पिक अप के चालक पर पैंतीस हजार सात सौ पैंसठ रुपए के हजाना का मामला दर्ज कराया है। सकरी क्षेत्र के बिजली विभाग के जे ई अजित कुमार के पत्रांक 133/17/6/26 द्वारा थाना को दिए आवेदन के अनुसार पत्र 16/17 जून की देर रात सकरी की ओर आ रहे पिक अप के चालक ने राघोपुर पुर गांव में सड़क किनारे एक बिजली पोल में ठोकर मारी जिससे पोल टूट कर गिर गया और विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। घटना के दौरान सड़क से गुजर रहे नेहरा थाना के रात्रि गश्ती दल के बलों की नजर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना बिजली विभाग को दी। इसका पाकर इस फीडर की बिजली काट दी गई और इसका भौतिक सत्यापन कराते हुए क्षति का आकलन कर गाड़ी चालक के विरुद्ध हजाना का मामला दर्ज कराया गया है। बताया जाता है कि पिकअप पर अचानक लड़ी हुई थी। बिजली पोल में ठोकर लगने के बाद पिक अप पलट गई। लेकिन इसमें सवार चालक व एक अन्य व्यक्ति सुरक्षित बाहर निकल गए।पिकअप को पुलिस जब्त कर लिया है। इस संबंध में अपर थानाध्यक्ष निलेश कुमार ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

मिथिलांचल

नाठा बाबा महावीर मंदिर में गूँजे जयकारे, प्राण प्रतिष्ठा के साथ भक्तिमय हुआ जयनगर

●मंदिर की सजावट प्रतिमाएं बना आकर्षण का केंद्र दर्शन को ले उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर शहर क्षेत्र के मेन रोड कमला रोड के समीप स्थित नवनिर्मित भव्य प्रसिद्ध आस्था को ज्येष्ठ माह महावीर मंदिर में अयोध्या के भव्य राम मंदिर की तर्ज पर नव निर्मित हुए नया बाबा मंदिर में देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अनुष्ठान में पहले दिन मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु ध्वज लिए देवी देवताओं के झांकियों के साथभव्य शोभायात्रा निकाली गई और संस्था में संगीतमय भक्तिमय भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन कीर्तन में झोता झूमते रहे। वहीं बुधवार को मंदिर परिसर में पुजारी पंडितों के द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ



हवन कर जय करें जय घोष के साथ देवी देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की। 17 जून बुधवार को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मंगलाचरण में पूरे वैदिक विधि-विधान की मंत्रोचारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुई। लागभग आठ वर्षों के लंबे इंतजार के बाद होने जा रहे इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सवी माहौल में भक्ति श्रद्धा आस्था का उत्साह का माहौल व्याप्त है। मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान दरभंगा मिथिला विश्वविद्यालय के

गंगा संस्कृति के संवाहक बनेंगे मधुबनी के गंगा मित्र, प्रशिक्षण हेतु ऋषिकेश रवाना

मधुबनी। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश (उत्तराखंड) में दिनांक 18 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले गंगा आरती प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने हेतु जिला गंगा समिति (नमामि गंगे), मधुबनी का चार सदस्यीय दल आज रवाना हुआ। दल में गंगा मित्र पवन कुमार सिंह, सुभाष कुमार कामत, सनी कुमार एवं ज्योति कुमार शामिल हैं। सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेकर गंगा आरती की विधि-विधान, उसकी आध्यात्मिक महत्ता एवं सांस्कृतिक परंपराओं का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।इल्लेखनीय है कि मधुबनी जिले से पहली बार चार लोगों का चयन इस प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए हुआ है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है।कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी सदस्य जल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जिले भर में लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। साथ ही जिला गंगा समिति (नमामि गंगे), मधुबनी द्वारा आयोजित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों, स्वच्छता अभियानों एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में भी इनकी सहभागिता सराहनीय रही है।इस अवसर पर जिला परियोजना पदाधिकारी (नमामि गंगे), आनंद अंकित ने कहा कि गंगा केकेवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विरासत की प्रतीक है। गंगा आरती हमारी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लोगों को नदी संरक्षण के प्रति भावनात्मक रूप से जोड़ने का कार्य करती है।इन्होंने कहा कि मधुबनी जिले से पहली बार चार गंगा मित्रों का इस प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन होना अत्यंत हर्ष एवं गौरव की बात है। ये सभी प्रतिभागी लंबे समय से जल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और ज्ञान का लाभ जिले में चलाए जा रहे गंगा संरक्षण एवं जनजागरूकता अभियानों को मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी प्रतिभागी जिले में गंगा एवं अन्य जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति लोगों को और अधिक प्रभावी ढंग से जागरूक करेंगे तथा मधुबनी का नाम राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक, दिए कई निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। 28 जून 2026 से शुरू होने वाले पल्ट्स पोलियो अभियान को लेकर आर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार का अध्यक्षता में प्रखंड टास्क फोर्स की बैठक हुई। अंचलाधिकारी रामधीर मनन, प्रखंड परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, प्रखंड पोलियो

विफित्सा पदाधिकारी, सहित स्वास्थ्य विभाग के सभी प्रमुख कर्मी शामिल हुए।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी सुपरवाइजरों को एक सप्ताह के अंदर माइक्रोप्लान जमा करने और सभी टीमों का प्रशिक्षण पूरा करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही, वैक्सीन सुरक्षा के लिए कोल्ड बॉक्स एवं आइस पैक साफ कर आइस फैक्ट्री भेजने तथा फील्ड में शत-प्रतिशत हाउस मॉर्किंग और बच्चों की नेल मॉर्किंग सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी।



आवेदन जमा कर रहे हैं। शिविर में राजस्व, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पन, मनरेगा, जीविका, पंचायत राज सहित विभिन्न विभागों के सहायता काउंटर लगाए गए हैं।राशन कार्ड, आय-जाति-आवासीय प्रमाण पत्र, पेंशन, श्रमिक पंजीकरण, मधुबनी। आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के सभी 21 प्रखंड मुख्यालयों में 16 से 18 जून तक तीन दिवसीय जन सहयोग सह कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश पर आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित



मुजफ्फरपुर

जिला प्रभारी सचिव ने की बाढ़, सुखाड़ एईएस की समीक्षा,दिए महत्वपूर्ण निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जल संसाधन विभाग के सचिव –सह- जिला प्रभारी सचिव डॉ चंद्रशेखर सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को बाढ़, सुखाड़,एईएस एवं जेई की समीक्षात्मक बैठक समारहणालय सभागार में की गई। बैठक में जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने पाव पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा की गई तैयारी तथा संचालित कार्य के बारे मे विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधनों की व्यवस्था की गई है। वर्तमान में जिले में 26,125 पॉलिथीन शीट उपलब्ध है। इसके अलावा राहत एवं बचाव कार्य के लिए 15 सरकारी नाव तथा 263 निजी नाव चिन्हित



की गई हैं। प्रशासन द्वारा राहत शिविर एवं सामुदायिक रसोई संचालन की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। जिले में कुल 418 राहत शिविर तथा 448 सामुदायिक रसोई केंद्र चिन्हित किए गए हैं, जहां आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को भोजन एवं आश्रय उपलब्ध कराया जाएगा।बैठक में

बताया गया कि जिले में एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित आपदा संपूर्ति पोर्टल पर अब तक 5 लाख 54 हजार 843 संभावित बाढ़ प्रभावित परिवारों की प्रविष्टि की जा चुकी है। इन सूचियों के सत्यापन एवं

अद्यतन करने की प्रक्रिया जारी है ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराई जा सके। बचाव एवं राहत उपकरणों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 06 इनफ्लैटेबल मोटर बोट, 65 टेंट, एक महाजाल, एक इनफ्लैटेबल लाइटींग सिस्टम, 20 लाइफ बॉय रिंग, 65 लाइफ जैकेट, दो जीपीएस सेट, पांच सैटेलाइट फोन उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त 159 गोताखोर एवं 497 आपदा मित्रों की तैनाती भी सुनिश्चित की गई है, जिन्हें आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों में लगाया जाएगा। बैठक में कहा गया कि जिले में मुख्य रूप से बूढ़ी गंडक, गंडक एवं बामती नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा लखदेई, करेह एवं पाया नदी के कारण भी कई क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलजमाव

की समस्या रहती है। तटबंधों एवं जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में कुल 147 स्लुइस गेट हैं और सभी सुरक्षित अवस्था में हैं। इनकी वार्षिक मरम्मतों एवं प्रिसिंग का कार्य कराया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के कार्यालयक अभियंताओं को निर्देश दिया कि वे तटबंधों का नियमित निरीक्षण एवं निगरानी करें तथा जहां आवश्यकता हो वहां तत्काल सुरक्षा एवं सुदृढीकरण का कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बाढ़ के समय किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। पशु संसाधन विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले के पशु चिकित्सालयों में 44 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं।

राजद नेता से फोन पर मांगी 1 लाख की रंगदारी

मुजफ्फरपुर। जिले के गराहां थाना क्षेत्र अंतर्गत रूदहां सनाठी गांव में राजनीतिक कार्यकर्ता को निशाना बनाने का मामला सामने आया है। पूर्व उप प्रमुख पति सह राजद नेता कैलाश राय से मोबाइल फोन पर भेदी-भेदी गालियां देते हुए एक लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई है। राजद नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की सीधे तौर पर धमकी दी गई है। इस संबंध में पीड़ित ने गराहां थाना अध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस को लिए आवेदन में कैलाश राय ने कहा है कि मंगलवार सुबह करीब 9:20 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को स्थानीय निवासी बताते हुए कॉल रिसीव होते ही गाली-गलौज शुरू कर दिया और धमकी भरे लहजे में एक लाख रुपये की मांग की। उसने कहा कि अगर पैसै नहीं मिले, तो वह कैलाश राय की हत्या कर देगा या कर्वा देगा।पीड़ित मुताबिक, धमकी देने वाला व्यक्ति आपराधिक छवि का है। सामाजिक कार्यों के सिलसिले में लगातार घर से बाहर रहने के कारण उन्हें डर है कि उक्त व्यक्ति उनके साथ कभी भी कोई अग्रिय घटना या अनहनी कर सकता है, जिससे उनकी जान को खतरा बना हुआ है। पीड़ित ने पुलिस से मोबाइल नंबर के आधार पर त्वरित कानूनी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले में पीड़ित कैलाश राय की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। जिस मोबाइल नंबर से धमकी भरा कॉल आया था, उसे सर्विलांस पर लेकर मामले की गहन जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पानापुर करियात थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष पर प्राथमिकी का आदेश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के पानापुर करियात थाने की पुलिस द्वारा लॉक-अप में बंद कर युवक की बेरहमी से पिटाई के मामले में मानवाधिकार आयोग ने एक्शन लेते हुए तत्कालीन थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद के विरुद्ध 24 घंटे में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ-ही-साथ माननीय आयोग द्वारा बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी, डीएम और एसएसपी मुजफ्फरपुर को कारण बताओ नोटिस भी दिया गया है। विदित हो कि सरैया थाना क्षेत्र के बहिलवारा रुपनाथ निवासी अमन कुमार नामक युवक की 11 मार्च 2025 को सुबह करीब 3 बजे पानापुर करियात थाने के थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद द्वारा गैरकानूनी तरीके से हिरासत में

ले लिया गया था, जिसकी जानकारी मिलने पर अमन कुमार के बहनोई रौशन प्रताप सिंह अपने साला अमन कुमार से मिलने थाना पहुंचे थे, जहाँ पुलिस ने अमन कुमार को बंद हो कर रखा था। उसके बाद थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने अमन कुमार को छोड़ने के एवज में जीजा रौशन प्रताप सिंह से एक लाख रुपये की माँग करने का आदेश दिया है। इसका विरोध किया था तो आवेश में आकर थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने उन्हें ‘ही हाजति में बंद कर दिया था और उनका मुँह, हाथ तथा पैर बाँधकर उनके साथ काफी बेरहमी से मार-पीट की गई थी। जब परिवार के अन्य सदस्य पहुँचे और दौरेवार को छोड़ने का आग्रह किया तो थानाध्यक्ष राजबल्लभ प्रसाद ने एक लाख रुपये की माँग रखी तथा 70 हजार रुपये लेने

के बाद दोनों को छोड़ा गया। रौशन प्रताप सिंह की अपाचे मोटरसाइकिल को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया, जिसे लौटाने के एवज में 30 हजार रुपये की मांग अलग से की। विदित हो कि मार-पीट में गंभीर रूप से घायल रौशन प्रताप सिंह को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र काँटी ले जाया गया था, जहाँ से बेहतर इलाज हेतु उन्हें एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया था। इसके बाद मामला एनएचआरसी और बीचएचआरसी के समक्ष पहुँचा। आयोग ने इसे मानवाधिकार का घोर उल्लंघन मानते हुए बिहार के मुख्य सचिव से पछा है कि पीड़ित को क्यों नहीं एक लाख रुपए का मुआवजा दिया जाये। साथ-ही-साथ थानाध्यक्ष के विरुद्ध अबतक प्राथमिकी क्यों नहीं दर्ज की गयी, इसपर भी आयोग के द्वारा नाराजगी जाहिर की गयी है।

कलशयात्रा के दौरान बूढ़ी गंडक नदी में डूबा युवक

मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां थाना क्षेत्र के सर्वनिचक ढाब स्थित बूढ़ी गंडक नदी में कलशयात्रा के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। नदी में डूबने से 18 वर्षीय एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान गराहां थाना क्षेत्र के सुरयाहीं गांव निवासी इंदल राय के पुत्र अंकुश कुमार के रूप में की गई है। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार और पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। नदी में जल भरने के क्रम में उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते और उसे बचाने का प्रयास करते, तब तक वह तेज धार की चोट में आकर डूब गया।स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बोचहां थाना अध्यक्ष यशवंत कुमार मिश्रा दमबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। थाना अध्यक्ष यशवंत कुमार मिश्रा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है।

औरई थानाध्यक्ष निलंबित,सकरा थानाध्यक्ष लाईन हाजिर

मुजफ्फरपुर। वरीय पुलिस अधीक्षक ने औराई थानाध्यक्ष हेमलता कुमारी को गंभीर प्रशासनिक एवं अनुसंधान संबंधी अनियमितताओं के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, सकरा थानाध्यक्ष कमलेश कुमार को स्वास्थ्य कारणों से पुलिस केन्द्र, मुजफ्फरपुर में पदस्थापित किया गया है। पुलिस विभाग से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (पूर्वी-01) द्वारा समर्पित जांच प्रतिवेदन में औराई थाना क्षेत्र के विभिन्न मामलों में समय पर विधिसम्मत कार्रवाई नहीं किए जाने की बात सामने आई। जांच में पाया गया कि एक मामले में बिना कांड दर्ज किए दो व्यक्तियों को लंबे समय तक जमाने पर बैठाकर रखा गया। इसके अलावा कई गंभीर आपराधिक घटनाओं में प्राथमिकी दर्ज कराने और अनुसंधान की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब किया गया। प्रतिवेदन में कई मामलों में आवश्यक समझ दर्ज नहीं करने तथा अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने में भी गंभीर दुर्योग का उल्लेख किया गया है।

राज्य सरकार का सहयोग शिविर कार्यक्रम जनता के लिए कारगर: अजित कुमार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा आयोजित सहयोग शिविर कार्यक्रम जनता के लिए बड़ी कारगर साबित हो रही हैं एवं जनता के सभी कार्य का निष्पादन अब समयय होगी व कार्य अथ निष्पादित भी हो रही हैं। सहयोग शिविर में कार्य के लिए सरकार ने 30 दिनों की टाइम फिक्सेशन कर दिया हैं, उसके अवधि के बाद संबंधित अधिकारियों पर निलंबन की कार्रवाई की घोषणा भी हो चुकी है। जनता व इस घोषणा से काफी उम्मीदें व विश्वास सरकार के प्रति काफी बढी है। उक्त बातें कांटी विधानसभा क्षेत्र के बकटपुर पंचायत , नगर परिषद क्षेत्र के देवहां व ब्लॉक परिसर में मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर कार्यक्रम का दिप प्रचलित कर कार्यक्रम की शुभारंभ करने के उपरांत स्थानीय

अवैध बालू खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, चार वाहन जब्त, 11.96 लाख रुपये का जुमाना

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी के सख्त निर्देश पर जिले में बालू के अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध छापेमारी अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में मीनापुर थाना क्षेत्र के चांद परना गांव के समीप बूढ़ी गंडक नदी तट पर अवैध रूप से बालू खनन एवं परिवहन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संयुक्त छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध बालू परिवहन में संलिप्त चार वाहनों को जप्त किया गया तथा 22 वहां घनफीट बालू के अवैध खनन एवं प्रेषण का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित टीम ने मीनापुर थाना अंतर्गत चांद परना गांव से सटे बूढ़ी गंडक नदी तट पर छापेमारी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान पाया गया कि बिना वैध अनुमति के सफेद बालू का खनन कर अवैध परिवहन किया

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण 05

पटना, गुरुवार, 18 जून, 2026

जा रहा है। मौके पर अँधेरे का लाभ लेते हुए वाहन चालक भाग निकले तथा चार वाहनों को जप्त कर लिया गया। खनन विभाग द्वारा उपलब्ध साक्ष्यों एवं जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित वाहन मालिकों को दोषी पाया गया है। दोषी वाहन मालिकों पर कुल 11 लाख 96 हजार 500 रुपये का आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया है। अवैध बालू खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है, बल्कि नदी तटों के कटाव, जलधाराओं के स्वरूप में परिवर्तन तथा पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अवैध खनन एवं निरीक्षक, मुजफ्फरपुर ने जप्त चारों वाहनों के मालिकों एवं चालकों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने हेतु मीनापुर थानाध्यक्ष को प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है। तदनुसार मीनापुर थाना मे केस संख्या 273/26 की गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि मामले में संलिप्त सभी व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध खनन अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त छापेमारी अभियान में प्रशासन एवं खनन विभाग के कई अधिकारी शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान पूर्वी अनुमंडल पदाधिकारी, पश्चिमी अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, खान निरीक्षक तथा मीनापुर थाना के एसएसआई एवं पुलिस बल मौजूद थे। अधिकारियों की उपस्थिति में पूरे अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया तथा अवैध गतिविधियों में प्रयुक्त वाहनों को सुरक्षित जप्त कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जिले के विभिन्न नदी घाटों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए। साथ ही अवैध खनन एवं परिवहन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

असंगठित श्रमिकों की राष्ट्रीय प्रशिक्षण में भाग लेकर लौटे सुनील

मुजफ्फरपुर। बुधवार को मालीघाट में सरला श्रीवास सोशल कल्चरल रिसर्च फाउंडेशन में संस्थान के अध्यक्ष धीरज कुमार के अध्यक्षता में बैठक की गई। धीरज कुमार ने बताया कि वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा 08 से 12 जून तक असंगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. मनोज जाटव थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार, पंजाब, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश तथा दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से श्रमिक संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युनियन प्रतिनिधियों एवं जर्नसंगठनों के प्रतिनिधि मंच, भाग लिया।बिहार से ग्राम विचार मंच, डामर ,मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष संतोष कुमार, संयुक्त सचिव कठपुतली कलाकार सुनील कुमार, गोविन्द चन्द्र साराफ,

दिनेश पासवान, सुश्री बबोता देवी, विक्रम कुमार तथा सुशी संजू देवी, सुमन कुमारी ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रमुख सत्रों में भारत में सामाजिक सुरक्षा का कानूनी ढांचा, सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 के अंतर्गत असंगठित श्रमिकों के प्रावधान, व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, कोशल विकास, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नवीन सरकारी पहल, नेतृत्व विकास, संगठन निर्माण तथा अक्षरश्रित हस्तश्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के प्रभावी मॉडल शामिल रहे। कठपुतली कलाकार सुनील कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण में डॉ. कप्त.एम. रहमान ,पूर्व वरिष्ठ फेलो, वीवीजीएनएलआई, श्री प्रभाकर मिश्रा ,पूर्व उप श्रम आयुक्त , उत्तर प्रदेश सरकार, पी. अर्माताव खुटिया

,एसोसिएट फेलो, पी.के. गोस्वामी ,उप निदेशक, आईएसएच, दिल्ली सरकार, प्रकाश कुमार, महाचविच, आरएचपी तथा नागेश निटला (कार्यक्रम अधिकारी, ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किया है कि जिले के विभिन्न नदी घाटों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए। साथ ही अवैध खनन एवं परिवहन की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

विद्यालय परिसर बना मक्का सुखाने का अड़ा खुलेआम दौनी और बोड़ाबंदी का काम

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बन्दरा प्रखंड क्षेत्र के मुन्नी बैंगरी पंचायत स्थित सकरी मन गांव में शिक्षा परिसर का उपयोग खेती-किसानी के कार्यों के लिए किए जाने का मामला सामने आया है। बुधवार को तपती धूप के बीच उत्क्रमित उच्च विद्यालय एवं उत्क्रमित इंटर स्तरीय विद्यालय के संयुक्त परिसर में ग्रामीण खुलेआम मक्का की दौनी, सुखाने और बोड़ाबंद करने का काम करते नजर आए। स्थानीय लोगों के अनुसार, विद्यालय परिसर का इस तरह उपयोग कोई नई बात नहीं है। ग्रामीण लंबे समय से स्कूल परिसर में कृषि उतज को सुखाने और उसकी पैकिंग का कार्य करते रहे हैं। हालांकि, इससे विद्यालय परिसर की गरिमा और शैक्षणिक वातावरण पर सवाल उठ रहे हैं। मामले को लेकर विद्यालय के प्रधानाध्यापक से मोबाइल पर संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण कई वर्षों से विद्यालय परिसर में इस प्रकार का कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, हम नोकरी करने गए हैं। सबसे लड़ाई-झगड़ा करें 2 वैसे भी अभी स्कूल बंद है। वहीं, इस मामले पर बंदरा अंचलाधिकारी अंकुर राय ने स्पष्ट कहा है कि विद्यालय परिसर का इस तरह उपयोग किया जाना बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय पर्याप्त की ओर से आवेदन दिया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।सीओ ने कहा कि पिछले दिनों सड़क से जाते हुए उन्होंने भी ऐसी स्थिति देखी है।



बेनीबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 72 लीटर विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए मुजफ्फरपुर पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में बेनीबाद थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 72 लीटर विदेशी शराब बरामद की है तथा एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, बेनीबाद थाना क्षेत्र के

शिवदाहा पंचायत में लंबे समय से अवैध शराब कारोबार की सूचना पुलिस को मिल रही थी। इसी बीच बेनीबाद थाना के अपर थानाध्यक्ष मौर्यन दीपांकर को सूचना मिली कि शिवदाहा इलाके में शराब की खेप उतारी गई है।

सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की योजना बनाई। पुलिस टीम ने शिवदाहा बरैल गांव में घेराबंदी कर सघन छापेमारी में अंधाबंदी चलाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस कार्य सहयोग शिविर के माध्यम से आवेदन करें एवं ऑनलाइन सहयोग पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज करा सकते है, सरकार ने यह दोनों व्यवस्था सुनिश्चित की है जिससे जनता को ज्यादा से ज्यादा सक्षलियत मिल सके। इस मौके पर बीडीओ आनंद कुमार विभूति, सीओ पिंटू कुमार, ईओ अजय कुमार, सभापति दिलीप कुमार, बीपीओ ओ कालीन कुमारी, बीएओ शिवनाथ झा, सीडीपीओ मीरा कुमारी, एलईओ वरुण कुमार, कांटी पीएससी के डॉ. पीयूष राज, मुखिया शाहिद रजा उर्फ लड्डुन, सरपंच जगत नारायण तिवारी, जदयू प्रखंड अध्यक्ष विनोद गुप्ता, बिस् सुखेंड्र उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, नगर पाषंद संतोष पासवान, अशोक चौधरी, शंभू राम, चंदन पांडे समेत अजीत जीधरी समेत सम्बंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी व बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ने मौके से 72 लीटर विदेशी शराब बरामद की। वहीं, इस मामले में सुधांशु कुमार उर्फ शेखर मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद शराब को जप्त कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस्यु ने आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैप शुरू करने की घोषणा की
दुर्गापुर। इस्यु मोटर्स इंडिया ने देश भर में इस्यु आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैप शुरू करने की घोषणा की। मार्च 2025 सीजन के आगमन को देखते हुए कंपनी ने ग्राहकों को जोड़े रखने और आपत्कालीन सर्विस पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। यह अभियान 18 से 24 जून तक भारत में सभी अधिकृत इस्यु डीलर सर्विस आउटलेट्स पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें कंपनी के इस्यु डी-मैक्स पिक-अप और एसयूवी की पूरी रेंज को कवर किया जाएगा। इस्यु केयव पहल के तहत शुरू किए गए इस सर्विस कैप का उद्देश्य प्रिवेंटिव मटेनेंस चेक और विशेष सर्विस लाभ प्रदान करना है, जिन्हें खराब मौसम के दौरान वाहन की विश्वसनीयता में सुधार के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस अवधि के दौरान अधिकृत वर्कशॉप पर आने वाले ग्राहक विशेष ऑफर्स और मटेनेंस सप्लॉट का लाभ उठा सकते हैं, जिससे बारिश के मौसम में बिना किसी परेशानी के आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। यह पहल दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, गुवाहाटी, हावड़ा, सिलीगुड़ी, दुर्गापुर और कई अन्य शहरों सहित प्रमुख बाजारों में इस्यु के व्यापक सर्विस

भीषण उमस के बाद झमाझम बारिश से मिली राहत

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कंटौझा पुल पर बुधवार को भीषण जाम लग गया। जाम इतना लंबा है कि वाहनों की कार्रण कई किलोमीटर तक फैल गई है। सड़क पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, कंटौझा पुल पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। जाम

में कई एम्बुलेंस भी फंस गई हैं, जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिलने में दिक्कत हो सकती है। भीषण गर्मी और उमस के बीच जाम में फंसे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर वाहनों का अत्यधिक दबाव और अव्यवस्थित यातायात के कारण स्थिति गंभीर हो गई है। जाम इतना बड़ा है कि इसके जल्द खुलने की संभावना कम नजर आ रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि यातायात सामान्य होने में कई घंटे

लग सकते हैं। सूचना मिलने के बाद यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचने की तैयारी में है। हालाँकि, समाचार लिखे जाने तक जाम पूरी तरह बरकरार था और वाहन रेंग-रेंग कर आगे बढ़ रहे थे। यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और आवश्यक होने पर ही इस मार्ग से यात्रा करें। जाम की वजह से मुजफ्फरपुर और सीतामढ़ी के बीच आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

काम करने वाले मजदूरों, रिक्शा चालकों और राहगीरों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज धूप और उमस से बचने के लिए लोग छांव और टंडे स्थानों की तलाश करने दिखे। हालाँकि दोपहर होते-होते मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में घने काले बादल छा गए और कुछ ही देर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। अचानक हुई इस बारिश से तपती गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत

मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे घरों में पंखे और कूलर का असर भी महसूस होने लगा। मौसम सुहाना होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और शहर का वातावरण भी काफी खुशनुमा हो गया। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों के चेहरे भी खिल उठे हैं। वहीं मौसम से विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है।

जनरेटेड शपथ-पत्र को 100 रुपये के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर प्रिंट कराना होगा तथा 25 रुपये के वेलफेयर टिकट के साथ नोटरी से सत्यापित कारकर सम्बंधित पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इसके साथ ही नोटरीकृत शपथ-पत्र की मूल प्रति 30 जून तक डीआरसीसी परिसर स्थित बिहार राज्य शिक्षा वित्त निगम, मुजफ्फरपुर कार्यालय में जमा करनी होगी। निष्धारित समय सीमा के भीतर शपथ-पत्र अपलोड एवं मूल प्रति जमा नहीं करने पर उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



कैसे बढ़ाएं शिक्षा में गुणवत्ता ?

डॉ. वरिंदर भाटिया

कई जगहों पर, शिक्षा को अभी भी एक ऐसी प्रणाली के रूप में देखा जाता है जो छात्रों को जिंदगी के लिए नहीं, बल्कि परीक्षाओं के लिए तैयार करती है। इन चुनौतियों से पार पाने के लिए दूरदर्शिता, प्रतिबद्धता और सहयोग की जरूरत होती है। गुणवत्ता अकेले किसी एक व्यक्ति या संस्था से हासिल नहीं की जा सकती। इसके लिए सभी- शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रों और नीति-निर्माताओं- को मिलकर काम करने की जरूरत होती है। शिक्षा में गुणवत्ता की चाहत कोई एक बार का लक्ष्य नहीं, बल्कि एक संस्कृति है। इसका मतलब है उत्कृष्टता को आदतें विकसित करना आज की तेजी से बदलती दुनिया में, शिक्षा में गुणवत्ता के महत्त्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। स्कूलों और कॉलेजों से लेकर जीवन भर सीखने के कार्यक्रमों तक, गुणवत्ता वह आधार है जो यह पक्का करता है कि सीखना असरदार, निष्पक्ष और टिकाऊ हो। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब हर व्यक्ति या हर स्थिति के लिए एक जैसा नहीं होता। कुछ लोगों के लिए, इसका मतलब अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक हो सकते हैं जो छात्रों को प्रेरित करते हैं। दूसरों के लिए, इसका मतलब आधुनिक सुविधाएं, अपडेटेड पाठ्यक्रम और पढ़ाने के नए तरीके हो सकते हैं। फिर भी, मूल रूप से, शिक्षा में गुणवत्ता को तीन जरूरी तत्वों के मेल के रूप में समझा जा सकता है। शिक्षा को समाज की वास्तविक जरूरतों को पूरा करना चाहिए और सीखने वालों को वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना चाहिए। हर सीखने वाले को, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, ऐसे अवसरों तक पहुंच मिलनी चाहिए जो उन्हें सफल होने में मदद करें। शिक्षा को न केवल ज्ञान देना चाहिए, बल्कि उसे असल जिंदगी में लागू करने की क्षमता भी देनी चाहिए, जिससे व्यक्तिगत विकास और सामाजिक प्रगति में योगदान मिल सके। जब ये पहलू एक साथ आते हैं, तो शिक्षा केवल एक औपचारिकता से आगे बढ़कर प्रगति की एक सच्ची ताकत बन जाती है। जब शिक्षा उच्च गुणवत्ता वाली होती है, तो यह भरोसा पैदा करती है। माता-पिता को विश्वास होता है कि अपने बच्चों को स्कूल भेजने से वे भविष्य के लिए तैयार होंगे। निजीका आश्वस्त महसूस करते हैं कि ग्रेजुएट कुशल और सक्षम हैं। समुदाय शिक्षा को विकास के आधार के रूप में देखते हैं। गुणवत्ता के बिना, यह भरोसा कमजोर हो जाता है और डिप्लोमा या सर्टिफिकेट का मूल्य खत्म हो जाता है। एक ऐसी प्रणाली जो गुणवत्ता को महत्व देती है, वह रटने से कहीं आगे जाती है। यह छात्रों को सिखाती है कि सवाल कैसे पूछें, समस्याओं को कैसे हल करें और खुद से कैसे सोचें। ये ऐसी क्षमताएं हैं जो पाठ्यपुस्तके बंद होने के लंबे समय बाद भी मूल्यवान बनी रहती हैं। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा गरीबी और असमानता के चक्र को तोड़ सकती है। निष्पक्ष अवसर और सीखने का प्रभावी माहौल देकर, यह वंचित पृष्ठभूमि वाले छात्रों को अपने साथियों के साथ बराबरी के स्तर पर मुकाबला करने का मौका देता है। जिन सुमुदायों में शिक्षा का सिस्टम मजबूत होता है, वहां अवसर ज्यादा इन्वेषन, सामाजिक स्थिरता और लोगों की भागीदारी देखने को मिलती है। अच्छी शिक्षा से ऐसे जागरूक नागरिक तैयार होते हैं, जो समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। शिक्षा ग्रेजुएशन के साथ खत्म नहीं होती। जिस व्यक्ति को अच्छी शिक्षा मिली हो, उसे जीवन भर इसके फायदे मिलते हैं। काम की जगह पर, अच्छी सीख प्रोफेशनल काबिलियत में बदल जाती है। घर पर, यह लोगों को मजबूत मूल्यों वाली अगली पीढ़ी तैयार करने में मदद करती है। समाज में, यह जिम्मेदारी, सम्मान और भागीदारी को बढ़ावा देती है। जीवन भर रहने वाला यह असर बताता है कि गुणवत्ता (क्वालिटी) से कभी समझौता क्यों नहीं करना चाहिए। खराब शिक्षा सालों की मेहनत बर्बाद कर सकती है, जबकि अच्छी शिक्षा दशकों तक जीवन को बेहतर बनाती है। शिक्षा में गुणवत्ता का मतलब सिर्फ किताबें, टेक्नोलॉजी या सुविधाएं नहीं हैं, इसका संबंध लोगों से भी है। शिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं। वे न सिर्फ छात्रों के दिमाग को, बल्कि उनके नजरिए को भी आकार देते हैं। एक समर्पित शिक्षक जिज्ञासा, आत्मविश्वास और क्रिएटिविटी को प्रेरित कर सकता है। इसी तरह, प्रेरित छात्र, शामिल माता-पिता और सहयोगी समुदाय- सभी शिक्षा को सार्थक बनाने में योगदान देते हैं। बिना गुणवत्ता के, शिक्षा पर सवाल उठ सकते हैं। गुणवत्ता के साथ, यह एक भरोसेमंद पासपोर्ट बन जाती है जो सीखने वालों को दुनिया के किसी भी कोने में सफल होने में मदद करती है।

भारत में रसोई गैस की कीमतों पर नियंत्रण जरूरी

दुनिया के कई तेल उत्पादक देश, जैसे सऊदी अरब, ईरान, वेनेजुएला, लीबिया और मलेशिया, अपने नागरिकों को वैश्विक मूल्य वृद्धि के प्रभाव से बचाने के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस पर भारी सब्सिडी देते हैं। ये देश मूल्य नियंत्रण या प्रत्यक्ष सरकारी सहायता के माध्यम से ऊर्जा की कीमतों को अपेक्षाकृत कम बनाए रखते हैं और अक्सर तेल राजस्व का उपयोग वैश्विक मूल्य वृद्धि के झटके को सहने के लिए करते हैं। घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी चिंत्नीय है। सरकारी सार्वजनिक क्षेत्र की कुछ तेल कंपनियां को लाभ पहुंचाने के लिए घरेलू रसोई गैस की कीमतें बढ़ाने का रास्ता चुनी है, जबकि इसका सीधा बोझ देश के लगभग 33.7 करोड़ सक्रिय घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है। यह तब है जब वित्त वर्ष 2025-26 में सरकारी तेल कंपनियों ने संयुक्त रूप से 77,280.65 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 130 प्रतिशत अधिक है। अकेले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने 36,802 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया। 7 जून से 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी की गई। यह तीन महीनों के भीतर दूसरी बढ़ोतरी है। इस वर्ष अब तक कुल बढ़ोतरी 89 रुपये प्रति सिलेंडर हो चुकी है। दूसरी ओर, पिछले वर्ष पेट्रोलियम क्षेत्र से करों और शुल्कों के रूप में सरकार का लगभग चार लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। दुनिया के कई तेल उत्पादक देश, जैसे सऊदी अरब, ईरान, वेनेजुएला, लीबिया और मलेशिया, अपने नागरिकों को वैश्विक मूल्य वृद्धि के प्रभाव से बचाने के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस पर भारी सब्सिडी देते हैं। ये देश मूल्य नियंत्रण या प्रत्यक्ष सरकारी सहायता के माध्यम से ऊर्जा की कीमतों को अपेक्षाकृत कम बनाए रखते हैं और अक्सर तेल राजस्व का उपयोग वैश्विक मूल्य वृद्धि के झटके को सहने के लिए करते हैं। ईरान में ईंधन की कीमत दुनिया में सबसे कम मानी जाती है और बाह्य सरकार अर्बों डॉलर की सब्सिडी देती है। वेनेजुएला भी आर्थिक और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों के बावजूद अत्यंत कम कीमतों पर ईंधन उपलब्ध कराता है। सऊदी अरब घरेलू ऊर्जा लागत को स्थिर और किफायती बनाए रखने के लिए हर वर्ष 12 अरब डॉलर से अधिक की सब्सिडी देता है। लीबिया में पेट्रोल, डीजल और गैस पर दुनिया की सबसे अधिक सब्सिडी दी जाती है, जिससे कभी-कभी सीमा पर तकररी जैसी समस्याएं भी पैदा होती हैं। मलेशिया अपने व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले आरओएन 95 ईंधन पर भारी सब्सिडी देता है, हालांकि हाल के वर्षों में वित्तीय दबाव कम करने के लिए प्रति नागरिक सब्सिडी वाली मात्रा पर सीमा निर्धारित की गई है। इसके विपरीत, दुनिया में सबसे अधिक गरीब आबादी वाले देशों में शामिल भारत में प्रत्यक्ष ईंधन और गैस सब्सिडी का दायरा सीमित है। सरकार की बहुचर्चित उज्ज्वला योजना के तहत चार लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी दी जाती है, लेकिन यह सुविधा अब साल में केवल चार सिलेंडरों तक सीमित कर दी गई है। इसके लिए वार्षिक बजट आंशिक रूप से 12,000 करोड़ रुपये है। हालांकि, इस मद में सरकार का वास्तविक व्यय किताना है, यह बहुत कम लोगों को पता है। योजना का लाभ केवल उन परिवारों को मिलता है जो गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) या सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अंतर्गत आते हैं। दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश भारत में वर्तमान में केवल 6.52 करोड़ परिवार ही बीपीएल श्रेणी में आते हैं। हर बार जब एलपीजी की कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तब सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमएस) के घाटे का तर्क सामने रखा जाता है। जबकि इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम जैसी कंपनियां देश की प्रमुख महारथ सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां हैं और सरकार के राजस्व का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। इन कंपनियों में सरकार की नियंत्रक हिस्सेदारी है।

विचार मंथन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस: स्वस्थ और लंबी उम्र का आधार



संजय कुमार सुमन

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

इस योग एक प्राचीन विद्या है जिसका उत्पत्ति भारत में हजारों वर्ष पहले हुई थी। इसमें आसन,प्राणायाम, ध्यान और नैतिक सिद्धांत शामिल हैं। योग का अभ्यास मन, शरीर और आत्मा को एकीकृत करके समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है। योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का एक प्रभावी तरीका है ियोग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है, जो शारीरिक आसनों, श्वास तकनीकों और ध्यान के माध्यम से शरीर और मन के संतुलन पर जोर देता है।आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बढ़ते तनाव के बीच योग का महत्व काफी बढ़ गया है, क्योंकि यह न सिर्फ स्ट्रेस को कम करता है, बल्कि शरीर को फिट और दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। त्तराष्ट्रीय योग दिवस हमें बताता है कि हमारे जीवन में योग को अपनाकर हम अपने लाइफस्टाइल

को फ्लेक्सिबल, संतुलित और स्ट्रेस फ्री बना सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विभिन्न देशों में सामूहिक योग सत्र, जागरूकता कार्यक्रम और स्वास्थ्य अभियानों का आयोजन किया जाता है। यह दिवस लोगों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वैश्विक स्तर पर समग्र कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके। योग का अर्थ है आत्मा का परमात्मा से मिलन, या मन और शरीर का जुड़ाव। आधुनिक विश्व में इसे वैश्विक पहचान दिलाने का श्रेय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक महत्वपूर्ण क्षण से हुई। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग की वैश्विक लोकप्रियता और समग्र लाभों को समझते हुए इस प्राचीन अभ्यास के लिए एक दिन समर्पित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने 21 जून की तारीख का सुझाव दिया क्योंकि यह ग्रीष्म संक्रांति का प्रतीक है, उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन है, और दुनिया के कई हिस्सों में इसका विशेष महत्व है। सप्रस्ताव को भारी समर्थन मिला, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्य देशों ने सह-प्रायोजक बनकर इसे पारित किया, जो किसी भी संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्ताव के लिए ए रिकॉर्ड संख्या है। 11 दिसंबर 2014 को, संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। इस प्रस्ताव में व्यक्तिगत स्वास्थ्य, सद्भाव और शांति को बढ़ावा देने में योग की भूमिका को मान्यता दी गई, जो कि व्यापक रूप से विश्व स्तर पर लागू होती है। पनी स्थापना के बाद से, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विश्व भर में उत्साहपूर्वक मनाया जाता रहा है। प्रत्येक वर्ष, एक विशिष्ट विषय योग के विभिन्न पहलुओं को उजागर करता है, जो

माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने का भी एक प्रभावी तरीका है।संयुक्त राष्ट्र और संबन्धित आयोजकों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम “इज़्ज़ खल्लि” ईट् ओल्ल्ल यानी स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग केद्वि़त है कि बढ़ती उम्र में भी व्यक्ति शारीरिक रूप से सक्रिय, मानसिक रूप से संतुलित और भावनात्मक रूप से मजबूत रह सकता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा घोषित यह विषय वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे मानसिक तनाव, अवसाद और आपसी टकराव को दूर करने की क्षमता पर जोर देता है।यहाँ योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक ज्ञान को जगाने और दुनिया में शांति स्थापित करने का माध्यम है।संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाओं ने इस वर्ष वृद्धजनों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया है। बदलती जीवनशैली में बढ़ती उम्र के साथ आने वाली शारीरिक

अक्षमताओं, जैसे जोड़ों का दर्द, संतुलन की कमी और एकाकीपन को दूर करने में कोमल योग आसन और प्राणायाम एक रामबाण सिद्ध हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने भौगोलिक सीमाओं, धर्मों और संस्कृतियों की दीवारों को तोड़कर पूरी दुनिया को एक सूत्र में पिरोया है।न्यू यॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर पेरिस के एफ़िल टॉवर और टोक्यो के पार्को तक, लाखों लोग एक साथ एक ही समय पर योग करते हैं।यह दृश्य भारत के प्राचीन दर्शन ह्यवसुधैव कुटुंबकमह् (पूरी धरती ही मेरा परिवार है) को चरितार्थ करता है। वर्ष 2026 में योग ने विभिन्न देशों के बीच कूटनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने वाले एक ह्र्दसोंष्ट पावरहल्ड के रूप में अपनी स्थिति और सुदृढ़ कर ली है।यह दुनिया को सिखाता है कि बिना किसी संसाधन या महर्गे उपकरणों के भी केवल एक चटाई की मदद से स्वास्थ्य क्रांति लाई जा सकती है।

बदलते समाज - सूने होते घर और बढ़ते वृद्धाश्रम

यहां परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, बल्कि संस्कारों, भावनाओं, कर्तव्यों और परस्पर सम्मान का जीवंत केंद्र रहा है। सनातन संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि मातृ देवी भवः, पितृ देवी भवः, आचार्य देवी भवः। अर्थात् माता, पिता और गुरु साक्षात ईश्वर के समान हैं। वर्तमान समय में एक विचित्र और चिंताजनक स्थिति देखने को मिल रही है। एक ओर घर सूने होते जा रहे हैं, दूसरी ओर वृद्धाश्रमों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों के सुखद भविष्य के लिए जीवन भर संघर्ष किया, आज उनमें से अनेक अपने जीवन की संध्या बेला अकेलेपन और उपेक्षा के बीच बिताने को विवश हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है। आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न हुई? इसके पीछे कौन-कौन से कारण हैं? और इस चुनौती का समाधान क्या हो सकता है? इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार करना समय की आवश्यकता है। भारतीय सभ्यता की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां वृद्धजनों को अनुभव, ज्ञान और संस्कारों का स्रोत माना गया है। संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी, नाना-नानी केवल परिवार के संस्कार, नैतिक शिक्षा और पारिवारिक परंपराओं का ज्ञान उन्हीं के माध्यम से प्राप्त होता था। वृद्धजन परिवार के केंद्र बिंदु होते थे, जिनके अनुभव से परिवार को दिशा मिलती थी। रामायण में भगवान राम ने पिता की आज्ञा को सर्वोपरि मानते हुए चौदह वर्ष का वनवास स्वीकार

किया। श्रवण कुमार की कथा आज भी मातृ-पितृ भक्ति का सर्वोच्च उदाहरण मानी जाती है। महाभारत से लेकर पुराणों तक वृद्धों के सम्मान को धर्म का अंग बताया गया है। ऐसे देश में यदि वृद्धाश्रमों की संख्या बढ़ रही है तो यह केवल सामाजिक बदलाव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना के क्षरण का संकेत भी है। वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या के पीछे सबसे बड़ा कारण संयुक्त परिवार व्यवस्था का विघटन है। एक समय था जब एक ही छत के नीचे तीन-चार पिढ़ियां साथ रहती थीं। परिवार बड़ा होता था, लेकिन उसमें अपनापन भी उतना ही बढ़ा होता था। दादा-दादी बच्चों के साथ समय बिताते थे और परिवार में सभी सदस्य एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनते थे। औद्योगीकरण, शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के प्रभाव से संयुक्त परिवार धीरे-धीरे टूटने लगे। रोजगार और शिक्षा की तलाश में युवा गांवों और छोटे शहरों

में समय और स्नेह के लिए तरस जाते हैं। धन आवश्यक है, लेकिन जब धन संबंधों पर हावी हो जाता है तब परिवारों की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। वैश्वीकरण के इस दौर में पश्चिमी जीवनशैली का प्रभाव भारतीय समाज पर भी पड़ा है। व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजी जीवन को अत्यधिक महत्व देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। स्वतंत्रता का विचार बुरा नहीं है, लेकिन जब यह सह सच विकसित हो जाती है कि वृद्ध माता-पिता के देखभाल की जिम्मेदारी अपने स्वतंत्र जीवनशैली में बाधा के रूप में देखने लगते हैं। कुछ मामलों में यह सच विकसित हो जाती है कि वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी संस्थानों या वृद्धाश्रमों को सौंप दी जाए। यह दृष्टिकोण भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के विपरीत है, जहां परिवार को केवल अधिकारों का नहीं बल्कि कर्तव्यों का भी केंद्र माना गया है। आज संचार के

साधन पहले से कहीं अधिक विकसित हैं। मोबाइल फोन, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया ने दूरियों को कम कर दिया है। लेकिन दुनियावा यह है कि भावनात्मक दूरियां बढ़ती जा रही हैं। परिवार के सदस्य एक ही घर में रहते हुए भी अपने-अपने मोबाइल और डिजिटल दुनिया में व्यस्त रहते हैं। वृद्धजन, जो अक्सर तकनीक से उतने परिचित नहीं होते हैं, स्वयं को अलग-थलग महसूस करने लगते हैं। बातचीत का समय कम हो गया है। परिवार के साथ बैठकर भोजन करने, अनुभव साझा करने और संवाद स्थापित करने की परंपरा कमजोर पड़ती जा रही है। यही संवादहीनता धीरे-धीरे अकेलेपन और उपेक्षा की भावना को जन्म देती है। यह स्वीकार करना होगा कि सभी वृद्धाश्रम नकारात्मक परिस्थितियों का परिणाम नहीं हैं। कुछ वृद्धजन स्वच्छ से वहां रहना पसंद करते हैं, विशेषकर तब जब वे अकेले हो और उनकी देखभाल करने वाला कोई न हो।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

भारत की पहचान सदियों से परिवार प्रधान समाज के रूप में रही है। यहां परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, बल्कि संस्कारों, भावनाओं, कर्तव्यों और परस्पर सम्मान का जीवंत केंद्र रहा है। सनातन संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि मातृ देवी भवः, पितृ देवी भवः, आचार्य देवी भवः। अर्थात् माता, पिता और गुरु साक्षात ईश्वर के समान हैं। वर्तमान समय में एक विचित्र और चिंताजनक स्थिति देखने को मिल रही है। एक ओर घर सूने होते जा रहे हैं, दूसरी ओर वृद्धाश्रमों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों के सुखद भविष्य के लिए जीवन भर संघर्ष किया, आज उनमें से अनेक अपने जीवन की संध्या बेला अकेलेपन और उपेक्षा के बीच बिताने को विवश हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना



पन्नाएतुल्लाह नन्दे

आदि करते हैं। जो सिलसिला अहले सुबह से लेकर शाम तक चलता है और संध्या के आकाश से पूर्व ही समाप्त हो जाता है। यह सब कार्य पिकनिक का ही अंश है किन्तु यह असल पिकनिक नहीं है। यह केवल अंग्रेजी के नूतन वर्ष के आगमन की खुशी में किए जाने वाले कार्यक्रम हैं। यह पिकनिक जो भारत के पड़ोसी देश सहित शार्क देशों में मनाया जाता है, वह पूरे विश्व में नही मनाया जाता है। पूरे विश्व मे हर साल पिकनिक 18 जून को अंतरराष्ट्रीय पिकनिक दिवस के रूप मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य विश्व में पर्यटन को बढ़ावा देना है। पिकनिक मनाने का प्रचलन सदियों से सभ्रात और इलीट

वर्ग के लोगों का शौक रहा है। वहीं उस दौर में गरीब को पिकनिक क्या होता है, पता भी नही होता था, कारण की वे दो जून की रोटी के लिए ही संघर्ष करते रहते थे। खैर अब समय बदल गया है। आज हर कोई अपने सामर्थ्य के हिसाब से गाढ़े बगाहे पिकनिक जरूर मनाता है। हाँलाकि आज भी यूरोप और खाड़ी देशों मे पिकनिक मनाने का खूब प्रचलन है। जिसे वह पार्टी कहते हैं, वह होता पिकनिक ही है, क्योंकि वह घर से बाहर रेगिस्तान, ब्याबान, पार्क, खूला मैदान, समंदर के किनारे जाकर भोजन बनाते भी है और रेडी मेड लाकर खाते-पीते हैं और खेल-कूद के साथ मनोरंजन के लिए गीत-संगीत

शाब्दिक अर्थ है ह्यचुनानाह् और ह्यकम महत्व की चीजेंह्। ऐसे में खाली समय में मौज-मस्ती का सामान लेकर यानी चुनकर प्रकृति की गोद मे जाने और समय बिताने के काम को ही पिकनिक कहा गया। पिकनिक मनोरंजन की ऐसी गतिविधि है, जिसमें लोग दैनिक जीवन के भागम-भाग से कुछ समय निकाल कर अपने परिवार, रिस्तेदार, दोस्त, साथी और सहकर्मियों के साथ प्रकृति के मनोरम माहौल के बीच समय बिताने जाते हैं। जहाँ कुदरत के खुले आसमान के नीचे बैठकर खाना-पीना, गपशप करना, संगीत सुनना और खेलना-कूदना इसके मुख्य आकर्षण होते हैं। विशेषकर लोग हरियाली वाली जगह और ऐतिहासिक स्थल को पिकनिक के लिए पसंद करते हैं। पिकनिक जैसे इवेंट्स या उत्सव से मानसिक तनाव में कमी होती है और इंसान फिर से ऊर्जावान महसूस करने लगता है। कम शब्दों में कहें

तो पिकनिक तनाव भरी जिंदगी से राहत पाने के सबसे अच्छा काम है। जिसमें लोग आपस में बातचीत करते हैं, खाते-पीते हैं, कुछ लोग बना बनाया (रेडी मेड) खाना लाते हैं, तो ज्यादा तर लोग वहाँ प्रकृति की गोद मे खुले आसमान तले खाना बनाते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अपने भारत मे पिकनिक के लिए बहुत सारे लोग विशुद्ध बर्तन का प्रयोग करते हैं। जैसे मिट्टी के बर्तन, मिट्टी की हाँडी, लकड़ी के चम्मच, खाने के लिए पेड़ पौधे के पत्ते और बैटन के लिए चटाई इस्तेमाल करते हैं। गीत-संगीत में बाँसुरी बजाना, झाल मजीरा, घुंघरू आदि छोटे-छोटे वाद्य यंत्र पिकनिक में देखे जाते हैं। जहाँ लोग अपना खुद का टैलेट भी दिखाते हैं जैसे खेल-कूद में बैडमिंटन, वॉलीबॉल, डिस्कस थ्रो, फ्लाईंग डिस्क, लूडो, शतरंज, ताश (प्लेइंग कार्ड), हूला-हूप, 16 गोटी, डैस बोर्ड, व्यापारी आदि खेलते हैं।

भीषण गर्मी पर डीएम का बड़ा फैसला, सारण में 8वीं तक की कक्षाओं का संचालन 20 जून तक स्थगित

■ बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है: जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिले में लगातार बढ़ रहे तापमान और दोपहर के समय पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्त्व ने छात्रों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के मद्देनजर शिक्षण संस्थानों को बंद करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों,

संक्षिप्त खबरें

झुआपुर के अगौथर गांव के काली मंदिर की दानपेटी तोड़ते युवक को ग्रामीणों ने पकड़ा

झुआपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के अगौथर नंदा गांव स्थित काली मंदिर की दानपेटी से चोरी करने के आरोप में एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस संबंध में उसी गांव के सेविदाजंद पांडेय ने झुआपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिसमें कहा गया है कि मंगलवार की देर रात वे अपने घर की छत पर सो रहे थे। इसी बीच रात के करीब 12 बजे मंदिर परिसर से दानपेटी की एक पुरानी आवाज सुनाई दी। जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया और आसपास के ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों के सहयोग से मौके पर एक युवक को पकड़ लिया गया। पकड़े गए युवक की पहचान सिवान जिले के देरौदा थाना क्षेत्र के देरौदा गांव निवासी शारदानंद महतो के पुत्र शशी कुमार महतो के रूप में की गई है। इसके बाद ग्रामीणों ने उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

लेपिनेट बंन जिले का नाम किया रोशन

सिवान:-देरौली प्रखंड क्षेत्र के गौरी गांव का लाल भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से गत दिनें हुई पॉसिंग आउट परेड में लेपिनेट बंन जिले का नाम रोशन किया। गौरी गांव के ग्रामवासियों में खुशी की लहर व्याप्त है। बताते चलें कि सेना से सेवानिवृत्त सुबेदार मेजर नरेंद्र सिंह का पुत्र सुशंत कुमार सिंह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे से तीन साल व एक साल भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से कठीन प्रशिक्षण के बाद सेना में ऑफिसर पद कमिशन किया। सुशंत इस सफलता के पिछे अपने माता-पिता के साथ ही साथ मित्र व रिश्तेदारों का सहयोग बताया। सुशंत के सफलता से गौरी गांव में खुशी की लहर है। खुशी व्यक्त करने वालों में डाक्टर मनोज कुमार सिंह, चुन्नी कुमार सिंह, रमेश सिंह, जिसु सिंह, इंदल यादव, बिट्टू सिंह, राकेश बैठा सहित अन्य भी शामिल थे।

अकौलपुर थाना भवन निर्माण में लगे मजदूर की संदेहास्पद स्थिति में मौत

दिघवारा।प्रखंड के गंगा नदी के दिघारा क्षेत्र अकिलपूर थाना क्षेत्र के सलहली गांव में बन रहे नव निर्मिप्त पुलिस स्टेशन भवन निर्माण कार्य में काम कर रहे एक मजदूर की संदेहास्पद स्थिति में मौत हो गई। मृतक मजदूर झारखंड के देवघर जिला के मोहनपुर थाना क्षेत्र के झालर गांव निवासी पणु मंडल का 40 वर्षीय पुत्र जगदीश मंडल बताया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक मजदूर सोमनार की रात्रि खाना खाने के बाद निर्वर्निर्मित भवन के छत पर सोने चला गया जहां मध्य रात्रि में उसकी तबीयत अवाक खराब हो गई जहां अन्य साथी मजदूरों ने आनन-फानन में उसे अस्पताल लें जा रहा था कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है की किसी लहरीले को घरे डसने के कारण मौत हुई है।मौत की सुचना उसके परिजन व ठीकेदार को दी गई।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता चार साल बाद चावल लदा ट्रक यूपी से बरामद

सीवान/दारौदा थाना कंड संख्या 323/22 से जुड़े बहुचर्चित चावल लदे ट्रक को पुलिस ने चार वर्ष बाद बरामद करने में सफलता हासिल की है। वर्ष 2022 में दरौदा थाना क्षेत्र के रङ्गडंग से चावल लदा ट्रक चावल एवं ट्रक मालिक द्वारा गायब कर दिया गया था। घटना के बाद दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस लगातार मामले की जांच और ट्रक की तलाश में जुटी हुई थी। मामले के अनुसंधानकर्ता (आईओ) सह अवर निरीक्षक (एसआई) सुनील कुमार ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से उक्त ट्रक को बरामद किया। बरामदकिया के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर ट्रक को दरौदा थाना लाया गया।

 @Pratahkiran

 www.pratahkiran.com



प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा कॉनिंग संस्थानों में कक्षा 8 तक की शैक्षणिक गतिविधियों पर 20 जून

2026 तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने अपने आदेश में कहा है कि वर्तमान

देश के होनहार और बहादुर बच्चों को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 को ले नामांकन आमंत्रित**
- वीरता, विज्ञान, खेल, कला एवं सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट बच्चों के लिए सुनहरा अवसर, 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। देश के असाधारण प्रतिभाशाली एवं साहसी बच्चों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायक उपलब्धियां हासिल की हैं। इस पुरस्कार का उद्देश्य ऐसे बच्चों को पहचान और सम्मान प्रदान करना है, जिन्होंने कम उम्र में अपने साहस, प्रतिभा और समर्पण से समाज पर सकारात्मक एवं व्यापक प्रभाव डाला है। चयनित बच्चों को नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा इस योजना का

व्यापक प्रचार-प्रसार शहरों के साथ-साथ गांवों, पंचायतों, प्रखंडों और आकांक्षी जिलों तक किया जा रहा है। विशेष रूप से बालिकाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुहयों, कमजोर वर्गों तथा दिव्यांग बच्चों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सामने लाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि समाज के हर वर्ग की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच मिल सके। पुरस्कार के लिए नामांकित बच्चों की आयु 31 जुलाई 2026 तक 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदक का भारतीय नागरिक होना तथा भारत में निवास करना अनिवार्य है।

आवेदन स्वयं बच्चा, उसके माता-पिता, अभिभावक, शिक्षक अथवा अन्य व्यक्ति कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थान, पंचायती राज संस्थाएं एवं राज्य सरकारें भी योग्य बच्चों के नामांकन भेज सकती हैं। इच्छुक अभ्यर्थी एवं नामांकनकर्ता राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल awards.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि जिला स्तर से अनुशंसित सूची उपलब्ध कराने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 है। जिला प्रशासन ने आम जनता, शिक्षकों, अभिभावकों एवं स्थानीय निकायों से अपील की है कि वे अपने आसपास मौजूद ऐसे प्रतिभाशाली एवं बहादुर बच्चों की पहचान कर समय सीमा के भीतर उनका नामांकन सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान प्राप्त हो सके।

महाप्रबंधक ने की छपरा जे. स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों ,यात्री सुविधा विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

- ग्रीष्मकालीन व परीक्षा तिथेश गाड़ियों के संचालन हेतु प्रबंधन एवं नई ट्रेनों के शुभारंभ की तैयारियों का किया निरीक्षण**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने मंडल रेल त्रबंधक, वाराणसी श्री आशीष जैन, मुख्यालय एवं मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ छपरा जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत स्टेशन पर चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित



अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, यात्री आवागमन व्यवस्था, फुट ओवर ब्रिज,सेकेंड एंड इन्ट्री स्क्वल्ड व्यवस्था एवं अन्य यात्री सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रीष्मकालीन एवं

में जिले में अत्यधिक गर्मी एवं लू जैसी परिस्थितियां बनी हुई हैं, जिससे विशेष रूप से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ऐसी स्थिति में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। आदेश के अनुसार कक्षा 8 से ऊपर की कक्षाओं का संचालन पूर्वाह्न 11 बजे तक ही किया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी शैक्षणिक संस्थानों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने कहा - बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। विद्यार्थियों की

अज्ञात चोरों ने गुमटीनुमा स्टाल का ताला तोड़कर नगदी सहित हजारों की सामग्री चुराई

प्रात : किरण संवाददाता

बनियापुर। थाना क्षेत्र के हप्पूर भूमिहरा पुल के समीप एक गुमटीनुमा होटल से नगदी सहित हजारों रुपए मूल्य के सामग्री की चोरी कर फरार हो गए। इस संबंध में दुकान स्वामी रघुनाथ। कुमार ने बताया है कि बीती रात में

सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए एहतियातन यह निर्णय लिया गया है। सभी शिक्षण संस्थान निर्धारित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करें। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को अत्यधिक गर्मी एवं धूप से बचाएं, पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं तथा आवश्यक होना पर ही घर से बाहर निकलने दें। प्रशासन के इस फैसले का अभिभावकों एवं शिक्षकों ने स्वागत करते हुए इसे बच्चों के हित में उठाया गया समयोचित कदम बताया है। भीषण गर्मी के बीच जिला प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाय हुए है और आवश्यकतानुसार आगे भी निर्णय लिए जाएंगे।

अज्ञात चोरों ने गुमटीनुमा स्टाल का ताला तोड़कर नगदी सहित हजारों की सामग्री चुराई

प्रात : किरण संवाददाता

दुकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा दो गैस सिलिंडर चाय पकौड़ा बनाने का बर्तन एक हजार रुपए का सिमेट सहित नगदी दस हजार रुपए की चोरी कर फरार हो गए है,आस पास के लोग घर में सोते है,हम भी दुकान बंद कर सोने चले गए थे सुबह आए तब देखा कि दुकान का ताला तोड़ चोरी कर ली गई

‘खेत बचाओ अभियान’ सह खरीफ चौपाल का आयोजन हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौदा कृषि विज्ञान केंद्र सीवान और आत्मा सीवान के संयुक्त तत्वावधान में ह्यखेत बचाओ अभियानह्क सह खरीफ चौपाल का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम दरौदा प्रखंड के कोडारी कला पंचायत के दुमरी गांव में आयोजित हुआ. इसमें किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खरीफ फसलों की उन्नत खेती तथा मौसम आधारित कृषि प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि समन्वयक रामप्रीत गुप्ता ने किसानों को खरीफ मौसम में फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और संतुलित पोषण प्रबंधन के महत्व के बारे में बताया.

उन्होंने बदलती जलवायु परिस्थितियों में किसानों को वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करनी चाहिए, जिससे उत्पादन लागत कम हो और लाभ में वृद्धि हो सके. उन्होंने कृषि विभाग द्वारा दी जा रही धान की भी जानकारी दी, जो 115-120 दिनों में पकने वाली, उच्च उपज देने वाली तथा सूखा, रोग एवं कीट सहनशील किस्म है. उन्होंने संभावित कमजोर मानसून की स्थिति को देखते हुए धान की सीधी बुवाई, कम अवधि वाली उन्नत धान किस्मों और खेत में नमी संरक्षण के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने किसानों को दैचा एवं मूंग जैसी दलहनी फसलों को हरित खाद के रूप में अपनाने, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के वैज्ञानिक उपयोग की सलाह दी,



साथ ही, खरपतवार प्रबंधन और जल की बचत के उपायों पर भी चर्चा की गई. आत्मा के बीटीएम कविता कुमारी ने किसानों को कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, बीज उपलब्धता, फसल सुरक्षा और कृषि यंत्रीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान कीं. उन्होंने किसानों से खरीफ मौसम में समय पर कृषि कार्य करने और कृषि वैज्ञानिकों से नियमित संपर्क बनाए रखने का आग्रह किया. इस चौपाल के दौरान किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया और खरीफ फसलों की बेहतर उत्पादन तकनीकों पर विस्तार से चर्चा हुई. इस दौरान अरविंद कुमार राम, गोरख राम, प्रभु नाथ राम, जीवन राम, पुरेश राम, वीरेंद्र राम, प्रोतम राम, दीपक कुमार, कालू कुमार, लंबू कुमार, प्रकाश कुमार अरुण कुमार पवन कुमार मनु कुमार नीतीश कुमार आकाश कुमार सहित अन्य किसान मौजूद थे.

ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत सीवान स्टेशन पर महिला ने दिया बच्ची को जन्म

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान गाड़ी संख्या 04731 समस्तीपुर स्पेशल के जनरल कोच में यात्रा के दौरान एक महिला को प्रसव पीड़ा होने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तत्परता दिखाते हुए ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत सहायता प्रदान की। इस दौरान महिला ने एक स्वस्थ पुत्री को जन्म दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर जिले के सरायरंजन थाना क्षेत्र अंतर्गत धलमतपुर गांव निवासी संजीत साहनी अपनी पत्नी विद्या कुमारी के साथ सिरसा से समस्तीपुर जा रहे थे। यात्रा के दौरान ट्रेन के सीवान रेलवे स्टेशन पहुंचते ही विद्या कुमारी को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इसी बीच उन्होंने एक बच्ची को जन्म दिया। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट सीवान के पाली प्रभारी सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल धर्म प्रकाश मिश्रा एवं कांस्टेबल विनोद कुमार वर्मा मौके पर

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का बड़ा अभियान, 50 से अधिक वाहन हटाए गए

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त सख्त अपनाया है। जिलाधिकारी सारण वैभव श्रीवास्तव के निर्देश पर बुधवार को झंगा चौक, डोगीरंग से मेथबलिया चौक तक राष्ट्रीय राजमार्ग के राइट ऑफ वे क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर अवैध रूप से खड़े करीब 50 वाहनों को हटाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में सहायक जिला संबंधित अधिकारियों की निर्देश दिया है कि सड़क की भूमि पर अवैध कब्जा, पार्किंग एवं अतिक्रमण के मामलों की लगातार निगरानी की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्ट संचालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित स्थलों पर ही वाहन पार्क करें तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि और राइट ऑफ वे क्षेत्र का अतिक्रमण न करें। प्रशासन का मानना है कि नागरिकों के सहयोग से ही सुरक्षित, व्यवस्थित और दुर्घटना-मुक्त यातायात व्यवस्था स्थापित की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार सक्रिय है। अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई उसी अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।



किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता और भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सड़क की भूमि पर अवैध कब्जा, पार्किंग एवं अतिक्रमण के मामलों की लगातार निगरानी की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने वाहन मालिकों, ट्रांसपोर्ट संचालकों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित स्थलों पर ही वाहन पार्क करें तथा राष्ट्रीय राजमार्ग की भूमि और राइट ऑफ वे क्षेत्र का अतिक्रमण न करें। प्रशासन का मानना है कि नागरिकों के सहयोग से ही सुरक्षित, व्यवस्थित और दुर्घटना-मुक्त यातायात व्यवस्था स्थापित की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए जिला प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार सक्रिय है। अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई उसी अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और निर्बाध यातायात सुविधा उपलब्ध कराना है।

कानूनी अधिकारों की जानकारी घर-घर पहुंचाने की पहल, सारण में लगेंगे विशेष विधिक जागरूकता शिविर

- नशा मुक्ति से लेकर कानूनी सशक्तिकरण तक, डीएलएसए के जागरूकता अभियान का होगा व्यापक विस्तार**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (बीएसएलएसए), पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएसएए), सारण द्वारा आमजन, विद्यार्थियों एवं बंैदियों के बीच कानूनी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक जागरूकता समिति, सारण के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इन शिविरों में लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा नशा मुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयें प्रदान की जाएंगी। डीएलएसए से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न शैक्षणिक एवं सुधारात्मक संस्थानों में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को कानून के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें न्याय

तक आसान पहुंच उपलब्ध कराना है। साथ ही युवाओं और विद्यार्थियों को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी क्रम में 17 जून को सारण स्थित सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल में ह्वानालसा जागृति योजना-2025ह्क विषय पर विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानूनी साक्षरता, उनके अधिकारों और कर्तव्यों के साथ-साथ नालसा द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु मुख्य लेड्स पूर्णनू रंजन एवं पारा विधिक स्वयं सेवक (पीएलबी) आनंद कुमार सिंह उपस्थित थे। वहां 18 जून को सुधार गृह, छपरा में ह्वनशीली दवाओं का दुरुपयोग एवं अवैध तस्करीह्क विषय पर ह्वडॉन स्क्रीम-2025ह्क के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभाव, उससे जुड़े कानूनी पहलुओं तथा समाज और परिवार पर पड़ने वाले उसके प्रतिकूल प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके लिए लॉ स्टूडेंट अमन वत्स, गुलाम अहमद रजा तथा पीएलबी विपिन कुमार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रखंड कार्यालय परिसर में सहयोग व जनकल्याण शिविर आयोजित



प्रात : किरण संवाददाता

दिघवारा। प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित सहयोग शिविर एवं जनकल्याण शिविर के दूसरे दिन आम जनता की समस्याओं के समाधान को लेकर व्यापक पहल की गई। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर लोगों की भीड़ देखी गई, जहां अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने आवेदन सौंपे। शिविर में मौजूद सभी विभागों के कर्मियों ने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके समाधान

के लिए आवश्यक प्रक्रिया अपनाई। इस दौरान प्रखंड विकास पराधिकारी श्री अमरनाथ स्वयं शिविर का निरीक्षण करते नजर आए। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर कार्यों की मॉनिटरिंग की और कर्मियों को आवश्यक की दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी आवेदक को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। शिविर के दूसरे दिन लगभग अठारह आवेदन प्राप्त हुए।इन आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इस पहल से स्थानीय लोगों में संतोष का माहौल देखा गया।

दारौदा-सिवान राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत शुरू, लोगों को मिली राहत



पहुंचे और तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। रेलवे कर्मियों ने महिला एवं नवजात को सुरक्षित ट्रेन से उतारकर एंबुलेंस की व्यवस्था की तथा बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल, सीवान भेज दिया। परिजनों ने आरपीएफ की तत्परता और मानवीय सहयोग की सराहना की। रेलवे द्वारा संचालित ‘ऑपरेशन मातृशक्ति’ के तहत समय पर मिली मदद से जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा एवं आपात स्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

दारौदा में नशामुक्त भारत अभियान के तहत अधिकारियों-कर्मियों ने ली शपथ



प्रात : किरण संवाददाता

सीवान /दारौदा प्रखंड कार्यालय परिसर में बुधवार को "नशामुक्त भारत अभियान*" के तहत अधिकारियों एवं कर्मियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त कराने तथा युवाओं को इस अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के दौरान वक्ताओं ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ऊर्जा होते हैं और देश व समाज के विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में युवाओं को नशे से दूर रखकर राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे तथा अपने

परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी सकारात्मक बदलाव की शुरुआत स्वयं से होती है और सामूहिक प्रयासों से ही समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराया जा सकता है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने सीवान जिले को नशामुक्त बनाने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करने तथा जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अंत में नशामुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का आह्वान किया गया।



संक्षिप्त खबरें

पुलिस मुठभेड़ में हथियारबंद युवक

की मौत, पिष्टल व कारतूस बरामद
आरा। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पुलिस और एक हथियारबंद युवक के बीच हुई मुठभेड़ में युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलोटी गांव निवासी भरत भूषण तिवारी के रूप में की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सुबह करीब नौ बजे सूचना मिली कि एक युवक हाथ में पिस्टल लेकर रवा में फायरिंग कर रहा है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस तथा एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को कई बार आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उसने कथित तौर पर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिससे पुलिसकर्मियों और आम लोगों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो गया। पुलिस के मुताबिक स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एसटीएफ के जवानों ने बुलटप्रूफ जैकेट पहनकर क्लोज कॉर्डनिंग की। इसी दौरान युवक ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर गोली चलाई। आत्मरक्षा एवं जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें युवक के पैर में गोली लगी। घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए पीएमसीएच, पटना भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटनास्थल से पुलिस ने एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, एक मैगजीन तथा दो छोख़ा बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच जारी है और आवश्यक विधिक प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर के दूसरे दिन 107 आवेदन प्राप्त
बड़हरा। केंद्र एवं बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर के दूसरे दिन बुधवार को लोगों की अख़्खी भागीदारी देखने को मिली। शिविर में विभिन्न योजनाओं से संबंधित कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित विभागों को अग्रसारित कर दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहित भागदत्त ने बताया कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले दिन की तुलना में दूसरे दिन आवेदकों की संख्या में करीब तीन गुना वृद्धि हुई है, जो लोगों की बढ़ती जागरूकता और शिविर के प्रति विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए लाभार्थियों की सुविधा के लिए शिविर का आयोजन प्रखंड परिसर में किया गया, ताकि किसी को धूप या गर्मी के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। शिविर स्थल पर पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। बीडीओ ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान निधि, मनरेगा, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, ग्राम परिवहन योजना, आधार, राजस्व एवं अन्य विभागों से जुड़े मामलों के आवेदन प्राप्त किए गए हैं। सभी आवेदनों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने शिविर के सफल संचालन में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों तथा पत्रकारों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस सहभागिता से सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकेगा। शिविर के अंतिम दिन भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है।

राजस्व मामलों में लापरवाही पर बड़हरा के पांच राजस्व कर्मियों का वेतन स्थगित

बड़हरा। दाखिल-खारिज व परिमार्जन के लंबित मामलों पर डीएम की सख्ती, एक सप्ताह में मांगा जवाब बड़हरा (भोजपुर)। ऑनलाइन दाखिल-खारिज (स्प्टेशन), परिमार्जन, परिमार्जन रैक्टिफिकेशन एवं परिमार्जन डिजिटाइजेशन से जुड़े मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरतने पर बड़हरा अंचल के पांच राजस्व कर्मियों पर कार्रवाई की गई है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने इन सभी कर्मियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व विभाग के ऑनलाइन पोर्टलों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई आवेदन संबंधित राजस्व कर्मियों के लिए न तो बंटे समय से बिना किसी ठोस कारण के लंबित पड़े हैं। इससे आम लोगों को दाखिल-खारिज और परिमार्जन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अनावश्यक इंतज़ार करना पड़ रहा था। मामले को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित राजस्व कर्मियों से एक सप्ताह के भीतर वादावर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। साथ ही लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का कहा गया है। डीएम ने स्पष्ट किया है कि राजस्व सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं जाएगी। आम लोगों को समय पर सेवा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें कोताही बरतने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रखंड सहयोग सह जन कल्याण शिविर में उमड़ी फरियादियों की भीड़

आये आवास, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, स्वरोजगार और सौर ऊर्जा योजनाओं से जुड़े दर्जनों आवेदन

●अधिकारियों ने किया त्वरित निष्पादन का दावा

प्रातः किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बुधवार को प्रखंड सहयोग शिविर सह जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। मंगलवार से शुरू हुए इस तीन दिवसीय शिविर के दूसरे दिन विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं और आवेदनों को लेकर बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ऊर्जा विभाग के कनीय अभियंता प्रभात कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा योजना से संबंधित आठ आवेदन प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा एक आवेदन पोल-तार कनेक्टिविटी तथा एक बिजली बिल में सुधार के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों पर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई की



जाएगी। सामाजिक सुरक्षा विभाग में पेंशन से जुड़े कई आवेदन प्राप्त हुए। वहीं पेंशन खाते में भुगतान रुकने की समस्या लेकर पहुंचे करीब 20 लोगों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया [जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, भोजपुर (आरा) के प्रतिनिधि कुंदन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना के तहत 16 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत इंटर अथवा स्नातक उत्तीर्ण 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार युवाओं को रोजगार की तलाश के लिए दो वर्षों तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की

सहायता राशि प्रदान की जाती है। प्राप्त आवेदनों को सूचीबद्ध कर निष्पादन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत पांच आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी आवेदनों की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। योजना के अंतर्गत लगातार दो बेटीयों के जन्म पंढरक में बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 16 जून से 18 जून तक प्रखंड स्तर पर सहयोग शिविर सह जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में सभी विभागों के अलग-अलग काउंटर लगाए गए हैं, जहां जनता की समस्याओं एवं आवेदनों का निबटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

मोटरसाइकिल समेत 15 लीटर देशी महुआ शराब के साथ युवक गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। बिहार में लागू शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को करीब 15 लीटर देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान अजीत कुमार, पिता रामाशीष यादव, निवासी ग्राम बलुआ के रूप में की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से अवैध रूप से शराब की दुलाई कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और सटिथ युवक को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 15 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब के साथ-साथ परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, ताकि इस पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।



हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार बाइक व मोबाइल जब््त, जेल

प्रातः किरण संवाददाता

आरा (भोजपुर)। भोजपुर जिले के कोईलवर थानेपुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने बताया कि गुप्त सूचना पर कोईलवर थाना क्षेत्र से 123.95 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करों के पास से एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। उन्होंने आगे बताया कि बिहार मद्य निषेध एवं राज्य उत्पाद नियंत्रण ब्यूरो से प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर 16 जून को कोईलवर थाना पुलिस द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने कुल्हड़िया एनएच-922 स्थित टोल प्लाजा के समीप वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान आरा की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे खड़ेदकर



पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान पटना जिले के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र अंतर्गत तमसिन पड़ाव वार्ड संख्या-04 निवासी आदित्य कुमार उर्फ भोला (22 वर्ष) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पहने हुए जींस की जेब से काले रंग की प्लास्टिक की पन्नी बरामद हुई, जिसमें दो पार्सलों में रखी गई 123.95 ग्राम हेरोइन मिली। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि बरामद हेरोइन उसे फुलवारीशरीफ क्षेत्र के रहने वाले दीपक कुमार ने बिक्री के लिए उपलब्ध कराई थी। उसने यह भी

राजस्व मामलों में लापरवाही : डीएम ने 25 राजस्व कर्मियों का बंद किया वेतन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में दाखिल-खारिज, परिमार्जन, परिमार्जन सुधार एवं परिमार्जन डिजिटलीकरण से संबंधित मामलों के निष्पादन में शिथिलता बरतने वाले 25 राजस्व कर्मियों के विरुद्ध जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया ने लंबित राजस्व मामलों की समीक्षा के दौरान कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि संबंधित राजस्व कर्मियों के उपयोगकर्ता खाते पर दाखिल-खारिज, नुटि जांच, परिमार्जन, परिमार्जन सुधार

सहार प्रखंड मुख्यालय पर सहयोग शिविर में 152 आवेदन का हुआ निपटारा

सहार। सहार प्रखंड मुख्यालय पर आयोजित सहयोग शिविर में विभिन्न प्रकार के 152 आवेदनों का निपटारा किया गया। बिहार सरकार के आदेशानुसार आयोजित शिविर में सभी विभाग के अलग अलग कर्मचारियों को लगाया गया था। सहार प्रखंड मुख्यालय पर जहां आयोजित शिविर में जिला से नोडल पदाधिकारी के देखरेख में आयोजित किया गया। हालांकि भीषण गर्मी के कारण ग्रामिणों की सहयोग शिविर में ज्यादा भीड़ भाड़ नहीं देखी गई। सहार प्रखंड विकास पदाधिकारी जानार्दन तिवारी ने बताया कि दोनों जगहों सहार के शिविर में ग्रामिणों द्वारा अलग अलग विभाग के कुल 152 आवेदन दिये गये।

नशा मुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प



कोईलवर। नशा मुक्ति सप्ताह के अवसर पर बुधवार को कोईलवर प्रखंड सभागार में नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) वीर बहादुर पाठक ने नेतृत्व में प्रखंड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशा नहीं करने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मियों ने शपथ लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, समाज और आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम र संबोधित करते हुए बीडीओ वीर बहादुर पाठक ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। नशे की लत से न केवल स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सभी लोग स्वयं नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहयोग बेहद जरूरी है। जागरूकता और सामूहिक प्रयास से ही समाज को नशे की बुराइयों से मुक्त किया जा सकता है। शपथ कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

शहीद कॉमरेड रामप्रकाश शर्मा की 26वीं शहादत दिवस मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बड़हरा प्रखंड के घाघरा गांव में शहीद कॉमरेड रामप्रकाश शर्मा की 26वीं शहादत दिवस मनाई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उभरे पैतृक गांव स्थित स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके संघर्ष और योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि रामप्रकाश शर्मा निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले

राजद के आरोप सरकार की नीतियां विफल, दिया धरना

आरा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भोजपुर द्वारा बुधवार को जिला मुख्यालय आरा में राज्य एवं केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों, बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों की उपेक्षा तथा चरमराई कानून व्यवस्था के खिलाफ एक दिवसीय विशाल धरना आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने तथा संचालन प्रधान महासचिव रामबाबू पासवान ने किया। धरना में मुख्य अतिथि के रूप में मनरे विधायक एवं बिहार विधानसभा की लोक लेखा समिति के सभापति भाई वीरेंद्र शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की गतत आर्थिक नीतियों के कारण आम जनता महंगाई का भार झेल रही है। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों ने गरीब एवं मध्यम वर्ग की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने प्रखंड स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार और जनता की समस्याओं के समाधान में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए। विधान पार्षद सोनू कुमार राय ने कहा कि सरकार विकास के दावे कर रही है, जबकि बिहार आज भी प्रति व्यक्ति आय के मामले में पिछड़े राज्यों में शामिल है। पूर्व विधायक विजयेंद्र यादव ने जातीय सर्वेक्षण का हवाला देते हुए गरीब एवं वंचित वर्गों की बद्दहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। वहीं पूर्व विधायक राम विशुन सिंह उर्फ लोहिया ने कानून व्यवस्था पर चिंता जताते हुए अपराध और सड़क अपराध में वृद्धि का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने किसानों की समस्याओं को उठाया, जबकि जिला प्रवक्ता आलोक रंजन ने कहा कि जनहित के मुद्दों पर सरकार ने शीघ्र कदम नहीं उठाए।

बालू खनन बंद : कोईलवर में जाम से मिली बड़ी राहत



कोईलवर। बालू खनन पूरी तरह बंद होने के बाद कोईलवर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। बालू लदे भारी वाहनों की आवाजों को थलेने से अवसर प्राप्त करने का समस्या से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। कोईलवर-धनडीहा-चांदी मार्ग, सकड्डी-नासरीगंज स्टेट हाईवे, बक्सर-पटना फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग तथा आरा-छपरा हाईवे समेत क्षेत्र का कहरना सड़कें इन दिनों जाम मुक्त नजर आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बालू खनन बंद होने के साथ ही सड़कों से ट्रकों की लंबी कतारें अचानक गायब हो गई हैं। इससे आम यात्रियों, छात्रों, नौकरोपेशा लोगों और मरीजों को आवागमन में काफी सहूलियत हो रही है। पटना आने-जाने वाले स्थानीय निवासी अमित कुमार ने बताया कि उन्हें प्रतिदिन ट्रेन पकड़ने के लिए कुल्हड़िया स्टेशन जाना पड़ता है। पहले सड़क जाम के कारण कई बार ट्रेन खूट जाती थी, लेकिन अब समय पर स्टेशन पहुंचना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि बालू खनन बंद होने से सड़क यात्रा काफी सुगम हो गई है। हालांकि ग्रामीणों का मानना है कि यह राहत स्थायी होगी या नहीं, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। कई लोगों ने आशंका जताई कि जैसे ही स्टॉक किए गए बालू की बिक्री और दुलाई शुरू होगी, सड़कों पर फिर से बालू लदे ट्रकों का दबाव बढ़ सकता है और आम की पुरानों समस्या लौट चकती है। फिलहाल क्षेत्र के लोग खुली और जाममुक्त सड़कों का आनंद ले रहे हैं तथा उम्मीद कर रहे हैं कि प्रशासन भविष्य में भी यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाएगा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com



कमला नदी में स्नान के दौरान लापता किशोर का शव 24 घंटे बाद बरामद, परिजनों में मातम

परिजनों की उम्मीदे टूटीं, कमला बराज के पास मिला लापता किशोर का शव

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर मलमास की समाप्ति के अवसर पर कमला नदी में स्नान करने गए एक किशोर का शव करीब 24 घंटे बाद बुधवार को बरामद किया गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को कलुआही थाना क्षेत्र के नरार गांव से दर्जनों श्रद्धालु कमला नदी में स्नान करने जयनगर पहुंचे थे। इसी दौरान नरार खाता टोल थाना रामप्रीत यादव के 15 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। किशोर के नदी में डूबने की आशंका से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।घटना की



सूचना मिलते ही जयनगर थाना अध्यक्ष अमित कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं अंचलाधिकारी अखिलेश चौधरी

ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा स्थानीय ग्रामीणों गोताखोर रों के सहयोग से खोज अभियान शुरू कराया। प्रशासन

द्वारा एनडीआरएफ टीम को बुलाया गया, जिसके जवान लगातार नदी में गोताखोरी कर किशोर की तलाश में जुटे रहे। खोज अभियान के बावजूद

मंगलवार को किशोर का कोई सुराग देर शाम तक नहीं मिल सका। इसके बाद बुधवार को निर्माधिन कमला बराज के समीप नदी में एक शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस एवं स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शव को नदी से बाहर निकाला गया। पहचान होने पर शव कृष्ण कुमार का पाया गया। शव मिलने की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रशासन ने लोगों से नदी में स्नान के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं इस दर्दनाक घटना से नरार गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

सहयोग शिविर में आये 263 आवेदन, 202 का ऑन द स्पॉट निष्पादन, 61 प्रक्रियाधीन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के तरारी प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत प्रखण्ड साभागार भवन में बुधवार आयोजित राहयोग शिविर में लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। शिविर के दौरान कुल 263 आवेदन जमा किए गए। इनमें से 203 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया, जबकि शेष 61 आवेदन विभिन्न विभागों में प्रक्रियाधीन हैं। शिविर के निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी कुन्दन कुमार ने व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कर्मियों को प्राप्त आवेदनों के त्वरित निष्पादन, लखित मामलों की नियमित मॉनिटरिंग तथा आम लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश



दिए।प्रखंड विकास पदाधिकारी कुन्दन कुमार ने बताया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सहयोग शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा किया गया है तथा लखित मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है।उन्होंने बताया कि आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने क्षेत्र के लोगों से शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन देने की अपील की ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

नागा बाबा महावीर मंदिर में गूंजे जयकारे, प्राण प्रतिष्ठा के साथ भक्तिमय हुआ जयनगर

➤ मंदिर की सजावट प्रतिमाएं बना आकर्षण का केंद्र दर्शन को ले उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर शहर क्षेत्र के मेन रोड कमला रोड के समीप स्थित नवनिर्मित भव्य प्रसिद्ध आस्था का केंद्र नागा बाबा महावीर मन्दिर में अयोध्या के भव्य राम मंदिर की तर्ज पर नव निर्मित हुए नागा बाबा मंदिर में देवी देवताओं के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अनुष्ठान में पहले दिन मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु ध्वज लिए देवी देवताओं के झांकियों के साथभव्य शोभायात्रा निकाली गई और संघ्या में



संगीतमय भक्तिमय भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। भजन कीर्तन में सोता झूमते रहे। वही बुधवार को मंदिर परिसर में पुजारी पंडितों के द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन कर जय करें जय घोष के साथ देवी देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित की। 17 जून बुधवार को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया

तिथि पर मंगलाचरण में पूरे वैदिक विधि-विधान मंत्रोच्चारण के साथ प्राण प्रतिष्ठा धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुई। लगभग आठ वर्षों के लंबे इंतजार के बाद होने जा रहे इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सवी माहौल में भक्ति श्रद्धा आस्था का उत्साह का माहौल व्याप्त है। मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों

ऊर्जा आपूर्ति को लेकर मधुबनी पूरी तरह सुरक्षित गैस, पेट्रोल व डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध



- ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर मधुबनी मजबूत, 53 हजार से अधिक एलपीजी सिलेंडरों का सुरक्षित भंडार
- गैस एजेंसियों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी का निर्देश, उपभोक्ताओं को परेशान करने वाली पर सख्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पूरी तरह सामान्य एवं नियंत्रित है। जिला प्रशासन ने बताया कि 17 जून तक जिले में कुल 53,484 एलपीजी गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है

तथा विभिन्न तेल कंपनियों के माध्यम से नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।प्रशासन के अनुसार 2 मार्च से 16 जून 2026 तक जिले में 14.81 लाख गैस बुकिंग दर्ज की गई हैं। वहीं 16 जून को एक ही दिन में 12,926 बुकिंग प्राप्त हुई, जबकि तेल कंपनियों से 16,630 सिलेंडरों की आपूर्ति हुई।

जिला प्रशासन ने सभी गैस एजेंसियों को शत-प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान करने, अतिरिक्त राशि वसूलने या वितरण में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी

दी गई है।प्रशासन ने आमजनों से अनावश्यक गैस बुकिंग, जमाखोरी एवं पेट्रोल-डीजल के भंडारण से बचने की अपील की है। किसी भी प्रकार की शिकायत या सूचना के लिए जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06276-222576 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिले में पेट्रोल एवं डीजल का भी पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में 863.4 हजार लीटर पेट्रोल तथा 1050.1 हजार लीटर हाई स्पीड डीजल का स्टॉक मौजूद है। जिला प्रशासन ने कहा है कि आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा किसी भी अनियमितता पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

तीन साल से फरार शराब तस्कर फैटूस मांझी गिरफ्तार, पुलिस ने मेजा न्यायिक हिरासत में

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर। जिले में शराबबंदी कानून के तहत फरार चल रहे आरोपी फैटूस मांझी को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार वर्ष 2023 में उसके घर से शराब बरामद हुई थी, जिसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

घटना के बाद से वह लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की और उसे गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत में भागलपुर भेज दिया गया।

पुलिस का कहना है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गंगा संस्कृति के संवाहक बनेंगे मधुबनी के गंगा मित्र, प्रशिक्षण हेतु ऋषिकेश रवाना

- गंगा आरती प्रशिक्षण से मजबूत होगा जन-जागरूकता अभियान डीपीओ आनंद अंकित

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश (उत्तराखंड) में दिनांक 18 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले गंगा आरती प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने हेतु जिला गंगा समिति (नमामि गंगे), मधुबनी का चार सदस्यीय दल आज रवाना हुआ।

दल में गंगा मित्र पवन कुमार सिंह, सुभाष कुमार कामत, सन्नी कुमार एवं ज्योति कुमारी शामिल हैं। सभी प्रतिभागी प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेकर गंगा आरती के विधि-विधान, उसकी आध्यात्मिक महत्ता एवं सांस्कृतिक परंपराओं का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।उल्लेखनीय है कि मधुबनी जिले से पहले बार चार लोगों का चयन इस प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए हुआ है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है।कार्यशाला में भाग लेने



वाले सभी सदस्य जल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जिले भर में लगातार सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। साथ ही जिला गंगा समिति (नमामि गंगे), मधुबनी द्वारा आयोजित विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों, स्वच्छता अभियानों एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में भी इनकी सहभागिता सराहनीय रही है।

इस अवसर पर जिला परियोगा पदाधिकारी (नमामि गंगे), आनंद अंकित ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक विरासत की प्रतीक है। गंगा आरती हमारी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लोगों को नदी संरक्षण के प्रति

भावनात्मक रूप से जोड़ने का कार्य करती है।उन्होंने कहा कि मधुबनी जिले से पहली बार चार गंगा मित्रों का इस प्रशिक्षण कार्यशाला के लिए चयन होना अत्यंत हर्ष एवं गौरव की बात है। ये सभी प्रतिभागी लंबे समय से जल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव और ज्ञान का लाभ जिले में चलाए जा रहे गंगा संरक्षण एवं जनजागरूकता अभियानों को मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सभी प्रतिभागी जिले में गंगा एवं अन्य जलस्रोतों के संरक्षण के प्रति लोगों को प्रतीक है। गंगा आरती हमारी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लोगों को नदी संरक्षण के प्रति

राष्ट्रीय जनता दल का जिला स्तरीय धरना सफल

- जनसमस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ बुलंद हुई आवाज

प्रातः किरण संवाददाता



भागलपुर। राष्ट्रीय जनता दल द्वारा महंगाई, बेरोजगारी, श्रष्टाचार, बिगड़ती विधि-व्यवस्था, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली, पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों सहित जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर समारोहालय परिसर (एडीएम कार्यालय के समक्ष) आयोजित जिला स्तरीय एक दिवसीय धरना कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। धरना कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राजद नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं आम जनता की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान राज्य एवं केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की मांग की गई।कार्यक्रम को अध्यक्षता चन्द्रशेखर प्रसाद यादव जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय जनता दल ने किया।जिसमें उन्होंने कहा कि आज का यह धरना जनता की आवाज है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, श्रष्टाचार, बिगड़ती विधि-व्यवस्था, शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था

की बदहाली, किसानों और गरीबों की उपेक्षा के खिलाफ राष्ट्रीय जनता दल का संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। जब तक जनता को न्याय और उनके अधिकार नहीं मिलते, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।धरना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के पूर्व मंत्री आदरणीय जय प्रकाश नारायण यादव जी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, श्रष्टाचार एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था से आम जनता त्रस्त है और सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता की आवाज को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक भू देव चौधरी, पूर्व विधायक फणीन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राम विलास पासवान, पूर्व प्रत्याशी नाथनगर जेड हसन, पूर्व प्रत्याशी कहलगंवाव रजनीश

यादव, पूर्व प्रत्याशी सुलतानगंज चंदन सिन्हा, रबिया खातून, चक्रपाणि हिमांशु, तिरुपति नाथ, अलख निरंजन पासवान, विवेकानंद यादव, अरविंद यादव गौतम बनर्जी, विश्वजीत कु शवाहा, नटबहारी मंडल, मो. शाहाबुद्दीन, आनंद आजाद, दिवाकर कुशवाहा, रोहित यादव सहित सैकड़ों राजद नेता, पदाधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।धरना कार्यक्रम का नेतृत्व चन्द्रशेखर प्रसाद यादव, जिला अध्यक्ष, राष्ट्रीय जनता दल, भागलपुर ने किया। उन्होंने उपस्थित सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं आम जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान तक राजद का संघर्ष लगातार जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल के नाम संबोधित मांगपत्र जिला प्रशासन को सौंपा गया।

विश्व योग दिवस को लेकर विशेष संपर्क अभियान एवं प्रचार रथ का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

भागलपुर। 21 जून को विश्व योग दिवस को लेकर विशेष संपर्क अभियान एवं प्रचार रथ का शुभारंभ किया गया।भागलपुर में 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य योग शिविर के प्रचार-प्रसार एवं जनसंपर्क अभियान को गति देने हेतु विशेष प्रचार रथ का शुभारंभ भगवा ध्वज दिखाकर किया गया।

इस अवसर पर शिविर के संयोजक मनीष दास, निरंजन शाह, योगी राजीव मिश्रा (वशिष्ठ योग जिला प्रमुख, भागलपुर), अजीत गुप्ता, दीपक कुमार, अमरदीप साह,समीर सिंह सहित अनेक योग साधक उपस्थित रहे।वहीं सैंडिस कं पाउंड मैदान में भी जनसंपर्क अभियान को निरंतर गति प्रदान की गई। संयोजक मनीष दास के नेतृत्व में कई योग साधक एवं साधिकाओं ने लोगों से संपर्क कर 21 जून को प्रातः 6:00 बजे से 7:00 बजे



तक आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आग्रह किया।मनीष दास ने कहा कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मानसिक और शारीरिक स्थिरता अत्यंत आवश्यक है। योग, आसन एवं प्राणायाम के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन को स्वस्थ, संतुलित एवं आनंदमय बना सकता है। उन्होंने कहा कि इस विशेष योग शिविर में योग गुरु धीरज वशिष्ठ के मार्गदर्शन

में योग को सहज एवं सरल तरीके से सिखाया जाएगा, जिसका लाभ सभी नागरिकों को अवश्य उठाना चाहिए।उन्होंने सभी योग प्रेमियों एवं आमजन से अपील की कि वे 21 जून को सैंडिस कंपाउंड मैदान में आयोजित इस योग महोत्सव में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य एवं जीवन को नई दिशा प्रदान करें।संस्था की ओर से अमरदीप शाह को कार्यक्रम के निमित्त मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया है।

सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय में दो दिवसीय सहयोग शिविर आयोजित

भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय में दो दिवसीय सहयोग शिविर आयोजित की गई।इस शिविर में सभी विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारी के द्वारा सैकड़ों ग्रामीणों से विभिन्न मामलों में आवेदन प्राप्त करते हुए कुछ आवेदन का तुरंत निष्पादन किया गया।/इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि यद सहयोग शिविर 16 जून से 18 जून तक लगेगा जो भी आवेदन ग्रामीणों द्वारा प्राप्त हुआ उसका आवेदन निष्पादन किया जा रहा है कि बात कही।इस दौरान दर्जनों विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारी सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

सुल्तानगंज में भीषण गर्मी, बुधवार की शाम तेज आंधी, बारिश से लोगों ने ली राहत की सांस



भागलपुर। जिले के सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र में लगातार तपती धुप व भीषण गर्मी से बुधवार की शाम लोगों ने राहत की सांस ली है।/जो बुधवार की शाम लगभग चार बजे तेज आंधी रमशिम बारिश होने पर तपती धुप व भीषण गर्मी से लोगों ने राहत की सांस ली है/ बताया जा रहा है कि बुधवार क्षेत्र में तेज धूप होने पर कई घरों में लोग बिमार पड़ रहे थे/जो आज तेज आंधी व बारिश होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।और बताया जा रहा है कि क्षेत्रों में कई का झोपड़ी भी तेज आंधी में उड़ गये है।सड़क पर भी जलजमाव की समस्या भी उत्पन्न हो गई है।/आम के वृक्षों से आम का फसल भी गिर कर बर्बाद हो गये, पुराने वृक्ष भी गिर कर टुट गये है।



मधुबनी। आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के सभी 21 प्रखंड मुख्यालयों में 16 से 18 जून तक तीन दिवसीय जन सहयोग सह कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।जिलाधिकारी आनंद शर्मा के निर्देश पर आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा कर रहे हैं। शिविर में राजस्व, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, श्रम, मनरेगा, जीविका, पंचायत राज सहित विभिन्न विभागों के सहायता काउंटर लगाए गए हैं।राशन कार्ड, आय-जाति-आवासीय प्रमाण पत्र, पेंशन, श्रमिक पंजीकरण, मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई की जा रही है। कई मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर लाभुकों को राहत प्रदान की गई।प्रशासन का कहना है कि शिविर का उद्देश्य लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराना तथा सरकारी कार्यालयों के चक्कर से मुक्ति दिलाना है। शिविर को लेकर ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है और लोगों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना की है।

मारपीट मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में मेजा गया

सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के गांव में 10 जून को हुए मारपीट के मामले में पुलिस को एक सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मामले के नामजद आरोपी सुबोध सहनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम ने जहांगीरा गांव में छापेमारी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से आवश्यक पूछताछ की गई और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को भागलपुर न्यायालय में प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस को इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी त्वरित कार्रवाई पर संतोष जताया है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी एवं साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ 02 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

छपरा कार्यालय इसरण पुलिस ड्राइवर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत साइबर थाना, सारण एवं दिघवारा थाना की संयुक्त कार्रवाई में ऑनलाइन सट्टेबाजी एवं साइबर ठगी से जुड़े एक संगठित गिरोह का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया गया है। इस कार्रवाई में गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। अनुसंधान के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तों द्वारा हैर-2 अक्सस ग्रुप एवं अन्य सोशल मीडिया माध्यमों का उपयोग कर लोगों को से जोड़ते थे तथा ऑनलाइन गेमिंग एवं सट्टेबाजी के नाम पर अवैध रूप से धनराशि एकत्रित करते थे। गिरोह के सदस्य लोगों को अधिक लाभ एवं त्वरित कमाई का प्रलोभन देकर अपने जाल में फंसाते थे तथा उनसे विभिन्न बैंक खातों एवं डिजिटल माध्यमों के जरिए पैसे मंगवाते थे। साइबर ठगी एवं अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से प्राप्त राशि को कई बैंक खातों, मोबाइल नंबरों एवं डिजिटल वॉलेट के माध्यम से स्थानांतरित कर उसके वास्तविक स्रोत को छिपाने का प्रयास किया जाता था। प्रारंभिक जांच में गिरोह के संगठित एवं अंतरजिला स्तर पर सक्रिय होने के संकेत मिले हैं।

